राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 18 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–262 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश में कोविड टीकाकरण अभी अधूरा, नए वैरिएंट की दस्तक के बीच बढ़ी चिंता

नई दिल्ली। एक बार फिर विश्व के कई देशों में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के नए उप स्वरूप ने दस्तक दे दी है। ऐसे में देश में जारी कोरोना टीकाकरण अभियान को तेज करने की कवायद शुरू हो गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक कोविड रोधी वैक्सी की 200 करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी है, फिर भी यह अभियान पूरा नहीं हुआ है। 200 करोड़ खुराक में पहली व दूसरी खुराक लेने वाले लोगों और ऐहतियाती खुराक लेने वालों का आंकड़ा शामिल है। कोविड रोधी टीकाकरण अभियान को अब भी लंबा सफर करना है। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सरकार के पास तीन करोड़ टीकों का स्टॉक अब भी पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार टीकाकरण अंतिम चरण में पहुंच गया है, लेकिन अभी पूरा नहीं हुआ है। तीन करोड़ टीकों का स्टॉक कुछ माहों के लिए पर्याप्त है। सूत्रों ने एएनआई से कहा कि टीकों की खरीदी की फिलहाल जरूरत नहीं है, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि अभियान पूरा हो गया है। केंद्र सरकार देशभर में यह अभियान तेज करने के प्रयास कर रही है।

16 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था टीकाकरण

केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी शुरू होने के बाद 16 जनवरी 2021 से कोरोना रोधी टीकाकरण शुरू किया था। इसके पहले चरण में डॉक्टरों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं आदि को टीके लगाए गए थे। इसके बाद 21 जून 2021 से देशव्यापी टीकाकरण का नया अभियान शुरू हुआ था। टीकों की बढ़ती उपलब्धता के साथ अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया गया। इसमें केंद्र व संघ शासित राज्यों ने भी महती भूमिका निभाई। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को ये टीके मुफ्त में मुहैया कराए।

कनेक्टिविटी के माध्यम से प्रगति, सुपर स्ट्रक्चर है सिमरिया पुल-नितिन गडकरी

बेगूसराय। बेगूसराय और पटना के बीच गंगा नदी पर बन रहा एशिया का दूसरा और बिहार का पहला हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल सिक्स लेन पुल 2023 तक बनकर तैयार हो जाएगा।

एशिया के सबसे चौड़ा और 1.8 किलोमीटर लंबा इस अत्याधुनिक पुल का शिलान्यास 14 अक्टूबर 2017 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया। उसके बाद से ही वेल स्पॉन एजेंसी की देखरेख में एसपी सिंगला कंपनी के द्वारा निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। 18 में से 15 पाया का निर्माण पूरा कर लिया गया है, जबकि नौ पाया पर सेगमेंट चढ़ाकर काम खत्म कर दिया गया है।

इस आधुनिक पुल का फोटो शेयर करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में

नए भारत में सड़क के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। बिहार में उत्कृष्ट कनेक्टिविटी की दृष्टि से राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच-31) पर पहुंच सड़कों के साथ गंगा ब्रिज सहित औंटा-सिमरिया के लिए परियोजना प्रगति पर है।

नितिन गडकरी ने कहा है कि 1165 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह खंड पटना जिले के मोकामा को बेगूसराय जिले के सिमरिया से जोड़ेगा। एक बार पूरा हो जाने के बाद इस खंड से सिमरिया घाट की धार्मिक तीर्थयात्रा को बहुत लाभ होगा। यह पटना के साथ संपर्क को और बढ़ावा देगा, इसके साथ ही आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक विकास में वृद्धि होगी। नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत में पहली बार, इस परियोजना में गंगा ब्रिज का निर्माण एक कुंए की नींव (सिंगल वेल फाउंडेशन) पर 34 मीटर चौड़ा सिक्स लेन कॉन्फिगरेशन सुपर स्ट्रक्चर शामिल होगा। कनेक्टिविटी के माध्यम से प्रगति वह आकांक्षा है, जिसे हम अपने देश के हर कोने में हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं।

बेगूसराय के सांसद-सह-केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर ने बताया कि बेगूसराय प्रगति के दौर में 1960 के दशक में तब आया जब बिहार केशरी प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह ने गंगा पर राजेन्द्र पुल सहित रिफाइनरी, फर्टिलाइजर, थर्मल सहित औद्योगिक विकास की आकृति दी। अब नरेन्द्र मोदी के युग में बेगूसराय फोरलेन सड़क सह गंगा ब्रीज, रेलवे ब्रीज, रिफाइनरी क्षमता विस्तार, एचयुआरएल (खाद कारखाना), एनटीपीसी से सुसज्जित होकर नव कलेवर में दिखेगा।

उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत में सड़क के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना तथा औद्योगिक विकास उनके एजेंडे में शामिल है, जिसका बेगूसराय को पूर्ण लाभ मिला। सिमरिया में तेजी से बन रहा पुल प्रगति का हाईवे गतिशक्ति है, बढ़ता बेगूसराय, बढ़ता प्रदेश, बढ़ता देश, यही है नरेन्द्र मोदी का संदेश।

उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद पूर्वोत्तर भारत को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में यहां देश का पहला रेल-सह-रोड पुल बनाया गया था। 2005 के बाद पुल की स्थिति अधिक खराब हुई तो मरम्मत का खर्च भी बढ़ गया। लेकिन बार-बार मरम्मत के बावजूद लगातार दुरुस्त नहीं रह सका। अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास से सिक्स लेन सड़क पुल के साथ डबल रेल पुल बनाने का काम तेजी से चल रहा है।

उसके बाद से ही वेल स्पॉन एजेंसी की देखरेख में एसपी सिंगला कंपनी के द्वारा निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। 18 में से 15 पाया का निर्माण पूरा कर लिया गया है, जबकि नौ पाया पर सेगमेंट चढ़ाकर काम खत्म कर दिया गया है।

अखिलेश यादव के लिए कैसे चैनपुरी बन सकती है मैनपुरी, चाचा शिवपाल भी हो जाएंगे राजी

नई दिल्ली। मुलायम सिंह यादव के दिवंगत होने से समाजवादी पार्टी की सियासत और सैफई परिवार में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है। इसके चलते अखिलेश यादव के सामने यह जिम्मेदारी है कि वह परिवार और पार्टी दोनों को साधें। इसकी शुरुआत का मौका मैनपुरी लोकसभा सीट का उपचुनाव भी हो सकता है। चर्चा है कि इस सीट से अखिलेश यादव परिवार से ही किसी नेता को लड़ाना चाहेंगे। ऐसे में शिवपाल यादव को यदि यहां से मौका दिया जाए तो चाचा और भतीजे के बीच सियासी और एकता का आधार तैयार हो सकता है। मैनपुरी में इस बार सहानुभूति पर वोट मिलना तय माना जा रहा है और एकता हुई तो यह सपा के लिए और बेहतर होगा।

दरअसल कयास इस बात के भी लग रहे हैं कि यदि शिवपाल यादव को सपा मौका नहीं देती है तो वह यहां से निर्दलीय चुनाव भी लड़ सकते हैं। ऐसा हुआ तो इस सीट पर भले ही सपा जीत जाए, लेकिन 2024 के लिए यादव बेल्ट में पार्टी की हवा नहीं बन सकेगी। ऐसे में अखिलेश यादव की ओर से चाचा को ही लोकसभा उपचुनाव में उतरने का मौका दिया जा सकता है। कहा जाता है कि 2019 के आम चुनाव में भी शिवपाल यादव अपने लिए मैनपुरी से टिकट चाहते थे, लेकिन खुद नेताजी के ही उतरने के बाद उन्हें संतोष ही करना पड़ा था।

कैसे मिलेगा शिवपाल को मौका देने का फायदा–अब वह एक बार से दावेदारी कर सकते हैं। यूं तो चर्चा धर्मेंद्र यादव और तेजप्रताप यादव के नामों की भी है, लेकिन ये दोनों नेता पहले से ही अखिलेश यादव के खेमे में हैं। ऐसे में शिवपाल यादव से एकता की कोशिश पर कोई काम नहीं हो सकेगा। इसलिए सपा के लिए सबसे मुफीद हो सकता है कि वह शिवपाल यादव को ही मैनपुरी से मौका दे दे। हालांकि कहा जा रहा है कि धर्मेंद्र यादव का नाम सबसे आगे चल रहा है, जो पहले भी यहां से सांसद रह चुके हैं। धर्मेंद्र यादव को अखिलेश के करीबियों में गिना जाता है। सपा के नेता भी कहते हैं कि धर्मेंद्र यादव काफी ऐक्टिव रहते हैं और लोगों से मिलते रहते हैं।

एकनाथ शिंदे के लिए मुश्किल बना 'दो तलवार और ढाल' चुनाव चिह्न, सिख समुदाय ने उठाए सवाल

मुंबई। शिवसेना के दोनों गुटों उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे कैंप को आवंटित हुए चुनाव चिह्न पर विवाद जारी है। इस बार सिख समुदाय के नेताओं ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे वाली पार्टी के चुनाव चिह्न पर आपत्ति जताई है। शिंदे की पार्टी का चुनाव चिह्न दो तलवार और ढाल है। इस पर समुदाय के लोगों का कहना है कि यह खालसा पंथ का धार्मिक प्रतीक है। दूसरी ओर इससे पहले समता पार्टी उद्धव ठाकरे की पार्टी के चुनाव चिह्न मशाल पर सवाल उठा चुकी है। गुरुद्वारा सचखंड बोर्ड नांदेड़ के पूर्व सचिव रंजीतसिंह कामथेकर और एक स्थानीय कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग (ईसी) को पत्र लिखकर

शिवसेना के दोनों गुटों उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे कैंप को आवंटित हुए चुनाव चिह्न पर विवाद जारी है। इस बार सिख समुदाय के नेताओं ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे वाली पार्टी के चुनाव चिह्न पर आपत्ति जताई है।

एकनाथ शिंदे की पार्टी के लिए चुनाव चिह्न की अनुमति नहीं देने के लिए कहा है। उनका तर्क है कि इस चिह्न का धार्मिक अर्थ है। अगर चुनाव आयोग द्वारा कोई संज्ञान नहीं लिया गया, तो वे ऐक्शन की मांग के लिए अदालत जा सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारे धार्मिक गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ के धार्मिक प्रतीक के रूप में तलवार और ढाल को स्थापित किया था।÷ कामथेकर ने कहा कि इन दोनों गुटों के चुनाव चिह्न के रूप में इससे पहले त्रिशूल और गदा को चुनाव आयोग ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि इन चिह्नों का धार्मिक अर्थ है।कामथेकर ने आगे कहा, मैं चुनाव आयोग के ध्यान में लाना चाहता हूं कि शिंदे गुट को आवंटित चुनाव चिह्न का भी धार्मिक प्रभाव है। मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग इस पर ध्यान देगा। उन्होंने कहा कि वह सोमवार को समुदाय के अन्य सदस्यों से मिलने के बाद चुनाव आयोग को एक औपचारिक पत्र भेजेंगे। उन्होंने चुनाव आयोग, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य राजनेताओं को संदेश ट्वीट किया है।

पुष्कर धार्मिक मेला आगामी चार नवंबर से होगा शुरु

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेले के तहत आयोजित पांच दिवसीय धार्मिक मेले का आगाज चार नवंबर से होगा। तीर्थराज पुष्कर स्थित पवित्र सरोवर पर एकादशी पर शुरू यह मेला आठ नवंबर कार्तिक पूर्णिमा के महास्नान के साथ संपन्न हो जाएगा।

इसी दिन चंद्रग्रहण भी होगा और ब्रह्मा मंदिर के कपाट सूतक के चलते बंद रहेंगे। मंदिर ग्रहण मोक्ष के बाद खुलेगा और उसके भी दो घंटे बाद श्रद्धालु ब्रह्माजी के मंदिर में दर्शन कर सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेला कोरोनाकाल के कारण इस बार दो साल बाद आयोजित हो रहा है। श्रीपुष्कर पशु मेला तो गौवंश में लम्पी संक्रमण के चलते राज्य सरकार के निर्देश पर पशुपालन विभाग ने स्थगित रखा गया है। ऐसे में पशु मेला आयोजित नहीं होगा केवल धार्मिक मेला ही होगा जिसकी अजमेर व पुष्कर प्रशासन ने जोर शोर से तैयारी शुरू कर दी है। लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की पूर्व संभावना के तहत प्रशासन तैयारी में जुटा है। आध्यात्मिक पद

यात्रा व दीपदान जैसे आयोजन आयोजित किए जाएंगे। पुष्कर मेला मैदान पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित होगी।

पुष्कर पशु मेले के लिए भी सरकार से अपने निर्णय पर पुर्नविचार की मांग की जा रही है।

तमिलनाडु में ज्वैलरी शॉप के मालिक ने दिखाया बड़ा दिल, कर्मचारियों को गिफ्ट में दी कार और बाइक

चेन्नई। दिवाली के पास आते ही उपहार का ख्याल आना बेहद सामान्य सी बात है। दिवाली पर बोनस और गिफ्ट मिलना कोई नई बात नहीं है लेकिन जब गिफ्ट में बाइक या कार मिले तो खुशी दोगुनी हो ही जाती है। दिवाली के त्योहार पर मालिक अपने कर्मचारियों को खुश करने के लिए तरह तरह के गिफ्ट्स देते हैं जिससे उनके कर्मचारी खुश हों। तमिलनाडु में एक ज्वेलरी शॉप के मालिक ने यही खुशी अपने कर्मचारियों को दी है। एक चेन्नई स्थित एक ज्वेलरी की दुकान के मालिक ने रविवार को दिवाली उपहार के रूप में अपने कर्मचारियों को कार और बाइक उपहार में दी।

10 कर्मचारियों को उपहार में मिली कार

ज्वेलरी की दुकान के मालिक जयंती

लाल ने कहा, 10 कर्मचारियों को कार उपहार में दी गई है, जबकि 20 को बाइक उपहार में दी गई है।

उन्होंने पूरा सहयोग करने के लिए कर्मचारियों की सराहना भी की। जयंती लाल ने कहा, उन्होंने मेरे साथ हर उतार-चढ़ाव में काम किया है। यह उनके काम को प्रोत्साहित करने के लिए है।

कर्मचारियों को कुल 8 कार और 18 बाइक उपहार में दी

दिवाली के मौके पर अपने कर्मचारियों को खुश करने के लिए जयंती लाल चयन्ती ने चलानी ज्वेलरी के अपने कर्मचारियों को कुल 8 कार और 18 बाइक उपहार में दी हैं। इतना भारी-भरकम गिफ्ट देने के लिए जयंती लाल ने कुल करोड़ों रुपये की रकम खर्ची है। दिवाली पर ऐसा गिफ्ट पाकर कुछ कर्मचारी तो खुशी से हैरान रह गए और कुछ इतने भावुक हो गए कि उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े।

कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के दिया गिफ्ट

उन्होंने कहा, यह उनके काम को प्रोत्साहित करने और उनके जीवन में कुछ खास जोड़ने के लिए है। उन्होंने मेरे व्यवसाय में सभी उतार-चढ़ाव में मेरे साथ काम किया है और मुझे मुनाफा कमाने में मदद की है।

उन्होंने आगे कहा - वे सिर्फ कर्मचारी नहीं हैं, बल्कि मेरा परिवार हैं। इसलिए, मैं उन्हें इस तरह के सरप्राइज देकर अपने परिवार की तरह व्यवहार करना चाहता था। मैं इसके बाद तहे दिल से बहुत खुश हूं। हर मालिक को अपने स्टाफ और सहकर्मियों को उपहार देकर उनका सम्मान करना चाहिए।

लखनऊ के जानकी मंदिर आश्रम में साधकों ने साध्वी की लूटी इज्जत, गैंगरेप के बाद बोले–यहां रहना है तो यह सब सहना पड़ेगा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर के जानकी मंदिर आश्रम में एक साध्वी को नशीला पदार्थ खिलाकर चार साधकों ने सामूहिक दुराचार किया। विरोध करने पर उसे प्रताड़ित किया गया और जान से मारने की धमकी दी गई। यह आरोप लगाते हुये साध्वी ने गोमतनगर थाने में चारों साधकों के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज करायी है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आश्रम के महंत से शिकायत करने पर उन्होंने आरोपितों का ही पक्ष लिया और कहा कि यहां रहना है तो यह सब सहना पड़ेगा। एडीसीपी पूर्वी का कहना है कि साध्वी के आरोपों की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आरोपितों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जायेगी। मूल रूप से प्रयागराज के करछना की रहने वाली साध्वी ने पुलिस को बताया कि वह पहले मथुरा के रुकमणि बिहार आश्रम में रहती थी। एक साल पहले वह प्रयागराज में माघ मेले में गई थी। यही पर एक साधिका से मुलाकात हुई थी। इस साधिका ने उसे बताया था कि वह गोमतीनगर स्थित जानकी मन्दिर से आई है। मेला खत्म होने तक दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई थी। सावन में यह साधिका वृंदावन स्थित रुकमणि बहार आश्रम में आयी थी। यहां 20 दिन वह साध्वी के साथ रही थी।

इसी दौरान साधिका ने उसे बताया था कि जानकी मन्दिर आश्रम के महंत हनुमान दास ने उसे अपने आश्रम में बुलाया है। उसके कई बार कहने पर वह लखनऊ इस आश्रम में आकर रहने लगी थी। चार अक्टूबर को यह साधिका भाई की तबीयत खराब होने की बात कहकर वाराणसी चली गई थी।

नशीला पदार्थ खिलाकर रेप किया गया –पीड़िता का आरोप है कि साधिका के वाराणसी जाने के बाद चार अक्टूबर को ही साधक दुर्वासा ने खाने में नशीला पदार्थ दे दिया था। आरोप है कि उसके बेसुध होने पर दुर्वासा के साथ छोटे मौनी, बड़े मौनी और मनमोहन दास ने दुराचार किया। देर रात होश में आने पर उसने खुद को निर्वस्त्र पाया। वहीं चारों आरोपित भी खड़े थे। उसने शोर मचाने की कोशिश की तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई।

आश्रम में रहना है तो सब कुछ सहना होगा

पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसने महंत हनुमान दास से इन चारों की शिकायत की तो उसकी नहीं सुनी गई। महंत ने आरोपितों का बचाव किया और कहा कि यहां रहना है तो सब सहना पड़ेगा। आरोपियों ने साध्वी को धमकी दी थी कि शिकायत करने पर हत्या करवा दी जाएगी। इंस्पेक्टर गोमतीनगर दिनेश चन्द्र मिश्र ने बताया कि चार अक्टूबर की घटना की अब रविवार को तहरीर मिली है। आरोपित आश्रम में नहीं मिले हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

यह भारत की प्राचीन और परिणाम सिद्ध चिकित्सा-प्रणाली को मिली वैश्विक मान्यता है। स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने देश के करोड़ों लोगों के लिए उत्तम और सुलभ औषधियों का बड़े पैमाने पर निर्माण ही नहीं किया है बल्कि उन्होंने ऐसे बुनियादी अनुसंधान भी किए हैं, जो आयुर्वेद को एलोपेथी से भी अधिक प्रभावशाली और उपयोगी बना देते हैं।

दुनिया में बजा आयुर्वेद का डंका

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

कैसी विडंबना है कि विश्व की भुखमरी सूची में भारत का स्थान 107 वां है याने दुनिया के 106 देशों से भी ज्यादा भुखमरी भारत में है और दूसरी तरफ हमें गर्व करने की यह खबर आई है कि विश्व की चिकित्सा पद्धतियों में भारत के आयुर्वेद को पहली बार अग्रणी सम्मान मिला है। यह सम्मान दिया है, अमेरिका की स्टेनफोर्ड युनिवर्सिटी और यूरोपीय पब्लिशर्स एल्सेवियर ने! यह सम्मान मिला है, पंतजलि आयुर्वेद के आचार्य बालकृष्ण को! विश्व के प्रतिष्ठित शोधकर्त्ता वैज्ञानिकों की श्रेणी में अब उनकी गणना हो गई है। यह अकेले आचार्य बालकृष्ण का ही सम्मान नहीं है। यह भारत की प्राचीन और परिणाम सिद्ध चिकित्सा-प्रणाली को मिली वैश्विक मान्यता है। स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने देश के करोड़ों लोगों के लिए उत्तम और सुलभ औषधियों का बड़े पैमाने पर निर्माण ही नहीं किया है बल्कि उन्होंने ऐसे बुनियादी अनुसंधान भी किए हैं, जो आयुर्वेद को एलोपेथी से भी अधिक प्रभावशाली और उपयोगी बना देते हैं। ऐसे कुछ शोध-ग्रंथों का विमोचन कुछ वर्ष पहले मैंने और श्री नितीन गडकरी ने हरिद्वार के एक बड़े समारोह में किया था। अपने भाषण में उस समय मैंने कहा था कि शंहशाहों द्वारा बनाए गए महल और किले तो 5-7 सौ साल में ढेर हो जाएंगे लेकिन बालकृष्णजी के ये ग्रंथ चरक, सुश्रुत, वाग्भट आदि के ग्रंथों की तरह हजारों साल तक मानवता की सेवा करते रहेंगे। यदि भारत पर विदेशी आक्रमण नहीं होते तो हमारा आयुर्वेद आज दुनिया का सर्वश्रेष्ठ उपचार तंत्र बन जाता। सौ साल पहले तक ऐलोपेथी के डाक्टरों को यह पता ही नहीं था कि आपरेशन के पहले मरीजों को बेहोश कैसे किया जाए? हमारे यहां हजारों साल पहले से चरक-संहिता में इसका विस्तृत विधान है। ऐलोपेथी कुछ वर्षों तक सिर्फ शरीर का इलाज करती थी लेकिन आयुर्वेद का वैद्य जब दवाई देता है तो वह मरीज़ के शरीर, मन, मस्तिष्क और आत्मा का भी ख्याल करता है। अब ऐलोपेथी भी धीरे-धीरे इस रास्ते पर आ रही है। आयुर्वेद का नाड़ी-विज्ञान आज भी इतना गजब का है कि दिल्ली के स्व. बृहस्पतिदेव त्रिगुणा जैसे वैद्य मरीज़ की सिर्फ नाड़ी देखकर ऐसा विलक्षण रोग-विश्लेषण कर देते थे कि जैसा ऐलोपेथी के आठ यंत्र भी एक साथ नहीं कर सकते हैं। आज सारी दुनिया में ऐलोपेथी लोगों का जितना भला कर रही है, उससे ज्यादा वह उनकी ठगी कर रही है। भारत के करोड़ों गरीब लोगों को उसकी सुविधा नसीब ही नहीं है। भारत में आयुर्वेद, यूनानी, तिब्बती और होम्योपेथी (घरेलू इलाज) का अनुसंधान बढ़ जाए और आधुनिकीकरण हो जाए तो देश के निर्धन और वंचित लोगों का सबसे अधिक लाभ होगा। हमारे पड़ौसी देशों के लोग भी भारत दौड़े चले आएंगे। भारत के पड़ौसी देशों के लोगों को भारत से जोड़ने का यह सर्वोत्तम साधन है। भारत के वैद्य जिसकी जान बचा देंगे, वह भारत का भक्त हुए बिना नहीं रहेगा।

कार्टून

लॉफिंग ज़ौन

कानों से बहुत ज्यादा बहरे दो व्यक्ति बाजार में मिले। पहले ने पूछा, 'कहां जा रहे हो?'

दूसरा बोला, 'नमस्कार जी, नमस्कार।'

पहला, 'तुम्हारी सेहत कैसी हैं?'

दूसरा, 'बैंगन लेकर आ रहा हूं।'

पहला, 'बाल-बच्चे कैसे हैं?'

दूसरा, 'दस रूपये किलो।'

□ □ □ □ □

गुल्लू जी अपने दोस्त के घर खाना-खाने के लिए पहुंचे। खाना जब सामने परोसा तो थाली में सिर्फ दाल और चपाती थी। गुल्लू जी भूखे थे। जैसे ही खाने को आतुर हुए कि दोस्त बोला, 'अभी ठहरो, लड्डू, पेड़ा और बर्फी भी आ जाएं तब साथ में खाएंगे।' गुल्लूजी खुश। काफी देर बाद एक बच्ची और दो बच्चे आए। तो मेजबान दोस्त ने परिचय करवाया, 'ये मेरे बच्च हैं, लड़कों के नाम हैं लड्डू और पेड़ा और लड़की का नाम बर्फी।'

□ □ □ □ □

मैडम (राजू की मां से), 'आप अपने राजू को अच्छी तरह नहला-धुला कर भेजा करें। उसके शरीर से बदबू आती है। राजू की मां, 'मैं राजू को स्कूल में पढ़ने के लिए भेजती हूं। सूंघने के लिए नहीं।'

□ □ □ □ □

बदलाव के दावों के बावजूद बेजार ज़िंदगी

लेखक- सुरेश सेठ

> अपने राष्ट्रवीरों को स्मरण करने में कोई दोष नहीं, उनसे युवा पीढ़ी परिचित ही नहीं, स्पंदित भी हो, इससे भला किसी को क्या ऐतराज हो सकता है। लेकिन समर्पण के ये श्रद्धा-पुष्प केवल चन्द चयनित व्यक्तित्वों के लिये ही क्यों? देश अपनी गुलामी की निशानियों को मिटाकर, विदेशी प्रभुत्व के शिलालेखों को नकारता हुआ, अपने राष्ट्रीय इतिहास का असली चेहरा देश की स्वाधीनता के बाद पैदा हुई युवा पीढ़ी के सामने रखना चाहता है।

आज इस देश में तरक्की के यथार्थ का आकलन करना निरंतर कठिन होता जा रहा है। आंकड़ों से विकास की उपलब्धियों की गणना करनी चाहो तो उसमें सफलता के आभास से अधिक राजनीतिक मिथक उभर कर आम आदमी को भी उसकी जिंदगी की विडंबनाओं और विसंगतियों से दो-चार करने लगते हैं। देश ने आजादी का अमृत महोत्सव मना लिया है। राष्ट्रीयता के प्रति जन-जन गौरव से अभिभूत हो उठा है। कुछ राष्ट्रनायक जो भुला दिये गये थे वे अतीत के धुंधलके से बाहर आ पिछड़ती हुई जिंदगियों को प्रेरित करने लगे हैं। नेहरू को भूल, गांधी को औपचारिक रूप से शिरोधार्य करते हुए नये जननायक बने हैं- सुभाष बोस, और प्रथम स्वाधीनता संग्राम की जुझारू वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई। सरकार भी बलिदानी भगत सिंह को शहीदे आजम कह, मोहाली के हवाई अड्डे को उसका नाम देकर राज्य के बलिदान का इतिहास खटकड़े कलां से लेकर मोहाली तक एक नये रंग से रंग देना चाहती है। अपने राष्ट्रवीरों को स्मरण करने में कोई दोष नहीं, उनसे युवा पीढ़ी परिचित ही नहीं, स्पंदित भी हो, इससे भला किसी को क्या ऐतराज हो सकता है। लेकिन समर्पण के ये श्रद्धा-पुष्प केवल चन्द चयनित व्यक्तित्वों के लिये ही क्यों? देश अपनी गुलामी की निशानियों को मिटाकर, विदेशी प्रभुत्व के शिलालेखों को नकारता हुआ, अपने राष्ट्रीय इतिहास का असली चेहरा देश की स्वाधीनता के बाद पैदा हुई युवा पीढ़ी के सामने रखना चाहता है। साधुवाद! लेकिन यह चेहरा एकांगी और पूर्वाग्रह से युक्त नहीं लगना चाहिए। हर राष्ट्र निर्माता की पहचान इस नये लिखे जा रहे राष्ट्रीय गौरव के इतिहास को पूरी संपूर्णता के साथ प्रस्तुत करे। क्यों विपक्ष को यह कहने का अवसर मिले कि राष्ट्रीय इतिहास की इस पुनः प्रस्तुति में भी वोट बैंक की राजनीति सरक आयी है? गुलामी की निशानियों से छूटने का अर्थ उस दासता की मनोवृत्ति से मुक्त होना होगा, जो बीती सदी में हमारी कार्य संस्कृति, सामाजिक व्यवहार और जीवन आस्था में छिटक आयी है। केवल नये नामकरण करने अथवा शीर्षक बदल देने से ही देश के भाग्य नियंताओं की प्राथमिकता का पता तो चल जाता है, लेकिन देश में क्या वास्तव में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है, या यह मुखड़ा संवारने का एक सतही अंदाज है? आप अवश्य अंग्रेजीयत की बू से छूटने के लिए जनपथ के समानांतर किंग्ज़वे को राजपथ` कहने के स्थान पर 'कर्त्तव्य पथ' कह लीजिये, लेकिन क्या देश या उसकी नैया के खवैया अपने कर्तव्य की पहचान कर पाये हैं? यह यक्ष प्रश्न उभरता है। अगर समय रहते पहचान की होती तो आज भी जीवन और विकास की गति में सदी से अवरोध बनी नौकरशाही और लाल फीताशाही विदा ले चुकी होती। जीवन जीने के वही सूत्र वाक्य बदलाव के टकसाली नारों के बावजूद आज भी क्यों जनमानस में घर किये हुए हैं, कि 'यहां यही सब चलता है' या कुछ भी अप्रत्याशित घट जाये 'यहां कुछ अन्तर नहीं पड़ता।' आप इज़ ऑफ डुइंग बिजनेस, और प्रशासन में आदेश-प्रतिआदेश की फालतू पेपरबाजी के हुड़दंग को रोक देने की घोषणाएं करते थकते नहीं, लेकिन फिर अन्तिम आदेश के लौहद्वार सम्पर्क संस्कृति की उपादेयता अथवा मध्यजन संस्कृति की सार्थकता को नकार क्यों नहीं पाते? दुनिया में हुए अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों ने भी स्वीकार कर लिया है कि भारत के आम जन ने सम्पर्क संस्कृति और वाकफियत के असर को एक सामान्य स्थिति जैसा स्वीकार कर लिया है। क्यों नियम-कायदे फाइलों की शोभा बने रह जाते हैं और बिचौलिये दलाली, कमीशनखोरी, नौकरशाही का चक्रव्यूह तोड़ने की एक ऐसी कुंजी बन जाते हैं? बीते युग में तो एक बार इस एजेंटवाद को कानूनी स्वीकृति दे देने की बात भी उठी थी। खैर, इसे वह कानूनी जामा तो नहीं मिला, लेकिन देशभर में शार्टकर्ट संस्कृति ने अपने पैर जमा लिये। मेहनत, अध्यवसाय और श्रम साधे ना वर्तमान परिस्थितियों में असंबद्ध होते चले गये और सिफारिश और कदाचार ने उसकी जगह ले ली। देखते ही देखते चोर दरवाजों से रंकों को राजा होते देखा जाने लगा। यह चोर दरवाजे राजनीति में खुले तो आयाराम गया राम का चलन नेताओं का सहज स्वभाव बन गया। विश्वास मत प्राप्त करना जहां विधायकों का बाज़ार दे गया, वहां सत्ताधारियों को अपनी कुर्सी पुष्ट करने का एक तरीका। जनता के मुद्दे वहां के वहां खड़े हैं। हां, उनके नाम पर चिन्तन और समाधान सत्र अवश्य जनप्रतिनिधि संस्थाओं में सत्तापक्ष और विपक्ष के लिए कोलाहल का अखाड़ा बन गये हैं। सत्रावसान इसी हड़बोंग में हो जाते हैं, लेकिन देश की आम जनता के समक्ष खड़ी समस्याएं उसी तरह विकट रूप धारण किये रहती हैं। चाहे केन्द्र सरकार हो अथवा राज्य सरकारें, हर सरकार भ्रष्टाचार के प्रति अपनी 'ज़ीरो टॉलरेंस नीति' की घोषणा करते थकती नहीं। लेकिन ऐसे देशों के सूचकांक में भारत के दर्जे में कोई सुधार क्यों नहीं आता? सत्ता बदलती है, तो कुछ सत्ताच्युत खेवनहार स्वयं भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे नज़र आते हैं। उन पर कार्रवाई होती है तो इसे राजनीतिक बदलाखोरी का नाम दे दिया जाता है। भ्रष्ट नेता सबूतों या कालेधन की बरामदगी के बावजूद अपना गुनाह कभी स्वीकार नहीं करते। जमानत पर रिहा हो जायें, तो फिर तप-त्याग का मुखौटा धारण कर 'जन सेवा' के लिए अपने आप को प्रस्तुत कर देते हैं। सामाजिक परिवेश कुछ ऐसा है तो इनके भाषणों का सिक्का फिर चलने लगता है और भीड़ फिर जुटने लगती है। देश का चुनाव तंत्र भी कुछ ऐसा है कि जो यही कह देता है, कि आरोपी अभियुक्त नहीं होता, इसलिए जनता के दरबार में ये लोग पुनः प्रतिनिधि चुने जाने के काबिल हैं। जाहिर है ऐसे चुनाव जो धनबल, जनबल और बिना काम अधिकाधिक अनुकम्पा की घोषणाओं के बल पर लड़े जाते हैं, में ऐसे सबल व्यक्ति साधारण योग्यजनों को पीछे धकेल फिर चुने जाते हैं। बार-बार चुने जाने के बाद बढ़ती उम्र उन्हें निस्तेज कर दे तो उनके नाती-पोते हैं ही, उनकी विरासत संभालने के लिए। यह विरासत चाहे बरसों से आरोपों से दागदार रही हो, लेकिन अगर ये लोग अपने वोटरों के गलत-सही काम करवाने से सफल रहते हैं, तो उनकी या उनके वंश की लोकप्रियता में कोई अन्तर नहीं आता। चाहे मंचों से ये लोग परिवारवाद के विरुद्ध नारे लगाते ही क्यों दिखाई न दे जायें। जनमानस ने तो मजबूरी में और भी बहुत कुछ स्वीकार कर लिया है। आर्थिक असमानता, वर्गभेद की विसंगति को नियति स्वीकार कर लिया है। बढ़ती महंगाई और गिरते जीवन आदर्शों को एक विडंबना के रूप में निम्न वर्ग ने भी स्वीकार कर लिया है। जरूरत है इस माहौल में सहज स्वीकार की जगह अस्वीकार के आक्रोश को एक नये सत्य की तरह उभरने की। कैसे उभरेगा यह सत्य? इस युवा देश की नयी पीढ़ी की बदली हुई मानसिकता के साथ उभरेगा। लेकिन यह मानसिकता योग्य को यथोचित मिल सकने के नये संस्कार से पैदा होगी। देश छोड़कर पलायन के रास्ते से नहीं। लेखक साहित्यकार हैं।

हिमस्खलन की त्रासदी से सबक लेना जरूरी

मुकुल व्यास

गत चार अक्तूबर को उत्तरकाशी जिले के द्रौपदी का डांडा-2 शिखर पर हिमस्खलन में 27 युवा प्रशिक्षु पर्वतारोहियों की मौत बहुत ही त्रासद प्राकृतिक आपदा है। इस त्रासदी ने पर्वतारोहण विशेषज्ञों को स्तब्ध कर दिया है। उनका कहना है कि उत्तराखंड में द्रौपदी का डांडा-2 शिखर पर पिछले तीन दशकों में हिमस्खलन का कोई इतिहास नहीं है। डांडा-2 चोटी समुद्र तल से 5,006 मीटर की ऊंचाई पर द्रौपदी का डांडा क्षेत्र में स्थित है। पर्वतारोहण प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए यह चोटी सबसे सुरक्षित मानी जाती है। सुरक्षित स्थल होने के कारण सभी पर्वतारोहण संस्थान यहां प्रशिक्षण आयोजित करते हैं। यह क्षेत्र देहरादून के वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों की नियमित निगरानी के अधीन भी है। वे यहां के हिमनदों की जांच करते रहते हैं। यहां के बारे में हमेशा अपडेट उपलब्ध रहते हैं। पहाड़ों में आपदाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। अभी कुछ समय पहले ही उत्तराखंड में बादल फटने की घटनाओं में जान-माल की भारी क्षति हुई है। हाल के दिनों में पर्वतीय राज्यों में हिमस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। हिमस्खलन की घटनाओं के बढ़ने के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर के आखिरी कुछ हफ्तों में असामान्य रूप से भारी वर्षा के कारण उत्तराखंड के ऊपरी इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है। संभवतः इसी वजह से हिमस्खलन की शुरुआत हुई होगी। विशेषज्ञ हिमस्खलन के अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रहे हैं। सितंबर के आखिरी कुछ हफ्तों में उत्तरी भारत में भारी बारिश हुई। उत्तराखंड में कम ऊंचाई वाले इलाकों में तेज बारिश हुई, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फ गिरी। वाडिया इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों का कहना है कि पहाड़ की चोटी पर जितनी बर्फ जमा हो सकती है, उससे अधिक बर्फ जमा हो गई है। यह अतिरिक्त बर्फ पहाड़ की ढलान से नीचे की ओर खिसकती है जिससे हिमस्खलन होता है। एक विशेषज्ञ ने डांडा की घटना को 'पाउडर हिमस्खलन' कहा, जिसमें ढीली बर्फ पहाड़ से नीचे फिसलती है। वाडिया इंस्टीट्यूट के एक सेवानिवृत्त हिमनद वैज्ञानिक डी.पी. डोभाल ने हिमस्खलन के लिए सितंबर में भारी बारिश को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि इस मानसून में राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अधिक मात्रा में हिमपात हुआ है। जब एक चोटी की ढलान 40-50 डिग्री के कोण से अधिक हो जाती है और उस ढलान पर जमा बर्फ 2-2.5 फुट से अधिक होती है तब वजन और गुरुत्वाकर्षण के कारण हिमस्खलन होता है। केदारनाथ घाटी में 22 सितंबर, 26 सितंबर और 2 अक्तूबर को भी हिमस्खलन की घटनाएं हो चुकी हैं। उनमें से एक घटना केदारनाथ मंदिर से महज पांच किलोमीटर दूर चोराबाड़ी ग्लेशियर में हुई। यह पहला अवसर नहीं है जब उत्तराखंड में साल के इस समय हिमस्खलन हुआ है। नंदा देवी अभयारण्य के पास त्रिशूल चोटी पर पिछले साल एक अक्तूबर को चार नौसैनिक हिमस्खलन की चपेट में आ गए थे। दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर सितंबर के पहले सप्ताह में उत्तराखंड से पीछे हटना शुरू कर देता है। इस बार सितंबर के आखिरी हफ्ते में भी बारिश हुई जो औसत से 20-59 प्रतिशत अधिक थी। सामान्य तौर पर हिमस्खलन की कई वजहें होती हैं। जब भौगोलिक स्थिति और वहां के वनक्षेत्र में कोई बदलाव होता है, तब भूस्खलन की आशंका बढ़ जाती है। दूसरी वजह हिमपात के दौरान बर्फ की मोटाई में होने वाला परिवर्तन। अगर इस दौरान इन इलाकों में हवा तेज चली तो हिमस्खलन हो सकता है। भूकंप की वजह से भी हिमस्खलन होता है। हिमस्खलन बड़ी त्रासदी लाने में सक्षम होता है। सियाचिन से लेकर लाहौल तक ऐसे कई उदाहरण हैं, जब बड़ी संख्या में लोगों की मौत हिमस्खलन से हुई है। जिन क्षेत्रों में बड़े-बड़े पर्वतीय ढलान होते हैं, वहां भी हिमस्खलन की घटनाएं ज्यादा होती हैं। जैसे ही बर्फबारी होती है, बर्फ ढलानों से फिसलने लगती है। बर्फ के छोटे-छोटे कण जम नहीं पाते और बड़ा हादसा हो जाता है। कई बार प्राकृतिक कारणों से बर्फ की बड़ी-बड़ी स्लैब इन्हीं ढलानों पर गिर जाती हैं। गिरते ही ये तेजी से नीचे की खिसकने लगती हैं। जब पर्वतीय क्षेत्रों में आंधी आती है, तब भी भीषण तबाही मचती है। दरअसल, बर्फ के छोटे-छोटे कण और बर्फ के बड़े स्लैब, मिलकर आकार में बड़े हो जाते हैं। बर्फ के बड़े-बड़े कई स्लैब एक साथ खिसकने लगते हैं। जब वे अपने साथ मलबा और चट्टान लेकर खिसकते हैं, तब बड़ी त्रासदी होती है। उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में हैंगिंग ग्लेशियर भी हिमस्खलन का कारण बनते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ पिघलने की दर तेज हो रही है। पहाड़ों के काटे जाने से हिमालय की नाजुक और ढीली पर्वतमाला गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। चाहे उत्तराखंड की पहाड़ियों में सड़कें, होटल हों या घरों का निर्माण, इस नुकसान की कीमत भविष्य में चुकानी पड़ेगी। इन पहाड़ियों पर मानव आबादी बढ़ रही है। सड़कों और अन्य विकास कार्यों के निर्माण के लिए पहाड़ों को बड़े पैमाने पर काटा जा रहा है। ये सभी पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं और प्रकृति के

प्रकोप को आमंत्रित कर रहे है। कई पर्यावरणविद् चेता चुके हैं कि इन दुर्गम इलाकों में होने वाले निर्माण भविष्य में पहाड़ों के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को बदल देंगे। हिमस्खलन का पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है लेकिन पहाड़ों पर जमा होने वाली बर्फ की नियमित निगरानी रख कर हादसों से बचा जा सकता है। वृक्ष रहित पहाड़ों पर हिमस्खलन का खतरा ज्यादा रहता है। अतः पहाड़ों पर पेड़ों की अच्छी तादाद होनी चाहिए। पेड़ की टहनियों और शाखाओं के प्रतिरोध से हिमस्खलन की गति कम होती हैं। अन्य निवारक उपायों में पहाड़ों की ढलानों को सीढ़ीनुमा करना शामिल है। इससे बर्फ के आवरण को स्थिर करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पहाड़ों पर जाने वाले पर्वतारोही और पर्यटक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) से वाकिफ रहें तो हिमस्खलन के हादसों से बचा जा सकता है। इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए। इनके अलावा बचाव दलों का समय पर विपदा स्थल पर पहुंचना जरूरी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

(चिंतन-मनन)

दया करने वालों की जय-जयकार होती है

हर व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने के पीछे व्यवहारिकता एवं मानवीय मूल्यों को भूलता जा रहा है। रास्ते में अगर कोई मजबूर व्यक्ति दिख जाए तो कोई बेबसी प्रकट करने के लिए दो पल रूक जाए यही बड़ी बात होती है। बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो किसी के लिए अपना एक पल और एक रूपये तक खर्च करने में कंजूसी करते हैं। शायद इसलिए कि उन्हें लगता है, भला पीड़ित व्यक्ति उनका क्या नाता है। लेकिन ऐसा सोचने से पहले यह शब्द जरूर याद करना चाहिए कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र इस देश ने संसार को दिया है जिसका अर्थ है वसुधा यानी धरती पर रहने वाला हर व्यक्ति हमारा कुटुम्ब है। अगर विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवत् पुराण अथवा अन्य कोई भी पुराण उठाकर देखेंगे तो पता चलेगा कि हम सभी मनुष्य मनु की संतान हैं। इस नाते हम सभी मनुष्य एक दूसरे के रिश्तेदार हैं। इस नाते हम सभी को अपने रिश्तेदारों की सहायता करनी चाहिए यही हमारा धर्म है। धर्म ग्रंथों में कहा भी गया है कि 'दया धर्म का मूल है'। इसलिए हर व्यक्ति को बिना किसी लालच और स्वार्थ के जरूरत के समय आगे बढ़कर लोगों की मदद करनी चाहिए। जो ऐसा करते हैं उनका जयजयकार समाज ही नहीं ईश्वर भी करता है। दया करने वाला व्यक्ति कठिन समय आने पर भी अपना गुण नहीं त्यागता है। इसी का उदाहरण है मुगल बादशाह दारा। दारा को औरंगजेब ने बंदी बना लिया। बंदी बना दारा जब शहर के बीच से गुजर रहा था तो उसकी स्थिति देखकर लोग तरस खा रहे थे लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। एक फकीर ने दारा की स्थिति को देखकर कहा कि, दारा तू जब भी हाथी पर बैठकर इस रास्ते जाता था तो मेरी झोली भरता था। आज क्या फकीर की झोली खाली रहेगी। दारा ने नज़र उठाकर उस फकीर की ओर देखा और अपने शरीर पर पड़ा दुशाला उठाकर फकीर की ओर फेंक दिया। दारा की बेबसी पर जो लोग सिर झुकाए खड़े थे सभी दारा की उदारता और दयालुता को देखकर जयजयकार करने लगे। दारा का झुका हुआ सिर गर्व से ऊपर उठ गया और औरंगजेब के सैनिकों का सिर शर्म से झुक गया। भले ही आप कभी तीर्थ स्थल न जाएं लेकिन जरूरत के समय लोगों की सहायता कर दें तो कई तीर्थ यात्रा का फल आपको घर बैठे मिल जाता है। भगवान कभी यह नहीं कहते कि लोगों को दबाकर कुचलकर मेरे मंदिर में आओ। जो लोग ऐसा करते हैं उनके मंदिर में प्रवेश करने पर भगवान मंदिर छोड़कर चले जाते हैं। दयालु व्यक्ति के मन में ईश्वर बसता है। मंदिर में तो उसके अंदर का प्रतिबिंब नज़र आता है। दयालु व्यक्ति को तो घर में रखे शिव की तस्वीर में भी शिव की अनुभूति हो जाती है। जबकि धनार्जन में मस्त लोगों को तीर्थ स्थलों में भी ईश्वर की अनुभूति नहीं होती है।

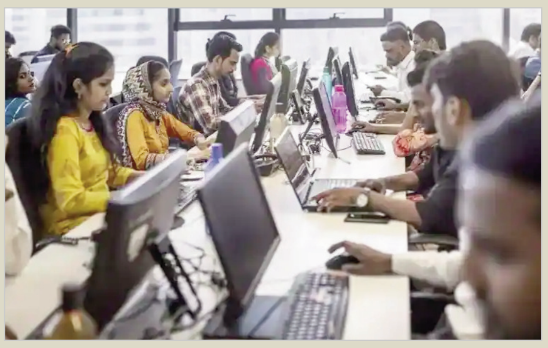

आईटी में कर्मचारियों के कंपनी बदलने की दर घटी

नई दिल्ली । वैश्विक मंदी की आशंका और स्टार्टअप क्षेत्र में छंटनी की खबरों के बीच भारतीय आईटी कंपनी में कर्मचारियों के कंपनी बदलने की दर में कमी देखी गई है। लोगों का कहना है कि बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों ने सितंबर तिमाही में सप्लाई साइड के दबाव को कम करने की बात कही है। गौरतलब है कि पिछली 2-3 तिमाहियों के दौरान आईटी कंपनी में कर्मचारियों के बीच तेजी से कंपनी बदलने के रुझान देखे गए थे। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में इंफोसिस के कर्मचारियों द्वारा नौकरी बदलने की दर घटकर 27.1 फीसदी रह गई, जो इससे पिछली जून तिमाही में 28.4 फीसदी थी। एचसीएल में कर्मचारियों के नौकरी बदलने की दर दूसरी तिमाही में, जून तिमाही के समान बनी रही। नोएडा मुख्यालय वाले एचसीएल के चीफ पीपल ऑफिसर राम सुंदरराजन ने कहा` कि यह पहले ही स्थिर हो चुकी है और इस बात के शुरुआती संकेत हैं कि हम एक अच्छी स्थिति में हैं। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने कहा कि आईटी सर्विसेज में पिछले 12 महीनों में उसके कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर 21.5 फीसदी तक बढ़ गई है, लेकिन आने वाले महीनों में इसमें स्थिरता आने की उम्मीद है।

एरिक्सन ने 5जी एकल नेटवर्क बनाने जियो से मिलाया हाथ

नई दिल्ली । दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एरिक्सन ने सोमवार को देश में 5जी एकल (एसए) नेटवर्क बनाने के लिए रिलायंस जियो से साझेदारी की घोषणा की। यह घोषणा भारत में हाल में हुई 5जी नीलामी के तहत स्पेक्ट्रम आवंटन के बाद की गई है। एक बयान के अनुसार देश में रेडियो एक्सेस नेटवर्क तैनाती के लिए जियो और एरिक्सन के बीच यह पहली साझेदारी है। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि हम जियो के 5जी एसए तैनाती के लिए एरिक्सन के साथ साझेदारी करके खुश हैं। हमें विश्वास है कि जियो का 5जी नेटवर्क भारत के डिजिटलीकरण को गति देगा और डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में नींव के रूप में काम करेगा। बयान में कहा गया है कि जियो द्वारा एकल 5जी नेटवर्क तैनाती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है, क्योंकि इससे उपभोक्ताओं और उद्यमों को वास्तव में परिवर्तनकारी 5जी अनुभव मिलेंगे। एरिक्सन के चेयरमैन और सीईओ बोरये एक्होम ने कहा कि भारत एक विश्व स्तरीय डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, जो पूरे देश में नवाचार, रोजगार सृजन और उद्यमिता को बढ़ावा देगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट के शेयर पहले दिन 53 फीसदी बढ़े

नई दिल्ली । इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के शेयर सोमवार को शानदार बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में 59 रुपए के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 53 फीसदी की बढ़त के कारोबार कर रहे थे। इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के शेयर बीएसई पर 51.52 फीसदी की बढ़त के साथ 89.40 रुपए पर सूचीबद्ध हुए। एनएसई में शेयर 52.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 90 रुपए पर सूचीबद्ध हुए। इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 71.93 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए बोली का दायरा 56-59 रुपए प्रति शेयर था।

EMI
Electronics Mart India Limited

शेयर बाजार में दिखी तेज लिवाली, लाल निशान से हरे निशान पर बंद हुआ

मुंबई। वैश्विक बाजारों में सुधार आने और घरेलू स्तर पर लिवाली तेज होने से सोमवार को सेंसेक्स 491 अंक बढ़ गया। जबकि निफ्टी फिर 17,300 का स्तर हासिल करने में कामयाब रहा। सप्ताह के पहले कारोबारी दिवस पर बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 491.01 अंक बढ़कर 58,410.98 अंक पर पहुंच गया। हालांकि इसकी शुरुआत कमजोर थी और यह 57,639.80 अंक तक फिसल गया था। लेकिन कुछ समय बाद ही सेंसेक्स संभला और कारोबार के अंत तक अपनी मजबूती को बनाए रखा। एक समय सेंसेक्स ने 58,449 अंक का स्तर भी छू लिया था। एनएसई का सूचकांक निफ्टी भी कारोबार के अंत में 126.10 अंक की तेजी के साथ 17,311.80 अंक पर पहुंच गया। इस तरह दोनों ही सूचकांक लगातार दूसरे कारोबारी दिवस पर बढ़त बनने में सफल रहे। शुक्रवार को भी दोनों सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई थी। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से एसबीआई, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंडसइंड बैंक अच्छी बढ़त लेने में सफल रहे। दूसरी तरफ लार्सन एंड टुब्रो, एचसीएस टेक्नोलॉजीज, विप्रो, टाटा स्टील, नेस्ले, पावर ग्रिड और भारती एयरटेल के शेयरों को नुकसान उठाना पड़ा। सोमवार को मेटल और रियलिटी सेक्टर में ज्यादा गिरावट आई है, जबकि बैंकिंग सेक्टर में अच्छी तेजी दिखाई दी। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर सोमवार को निफ्टी के सबसे अधिक बढ़ने वाले शेयरों की सूची में टॉप पर रहा। मिड-कैप और स्माल-कैप में भी हल्की बढ़त रही। निफ्टी50 के 36 स्टॉक ग्रीन में बंद हुए, जबकि 13 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट थी। नैस्डाक 327.76 अंक की गिरावट के साथ 10,321.39 पर बंद हुआ था। सोमवार शाम की ट्रेडिंग अभी शुरू नहीं हुई है। यूरोपियन बाजारों में खरीदारी हुई है।

डालर के मुकाबले 11 पैसा गिरा रुपया, 82.30 प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई ।

निवेशकों में जोखिम लेने से बचने की धारणा और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के कारण अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में सोमवार को रुपया डालर के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट के साथ 82.30 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। हालांकि, घरेलू शेयरों में तेजी आने और विदेशों में डॉलर के कमजोर होने से रुपये की गिरावट थोड़ी थम गई। अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.33 पर कमजोर खुला और कारोबार के दौरान 82.42 तक नीचे पहुंच गया। कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट के साथ 82.30 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। शुक्रवार के अपने पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 82.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.47 प्रतिशत घटकर 112.78 रह गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.28 प्रतिशत बढ़कर 91.89 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

सरकारी बैंक ने ब्याज दर में 2.45 फीसदी तक की कटौती

- होम-कार समेत अन्य लोन होंगे सस्ते

नई दिल्ली । त्योहारी मौसम में बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने अपनी ब्याज दरों को 0.30 फीसदी घटाकर 8.30 से 8 फीसदी कर दिया है। नई दरें 17 अक्टूबर से लागू हो गई हैं। पर्सनल लोन के ब्याज में 2.45 फीसदी की बड़ी कटौती करते हुए इसे 9 फीसदी से भी नीचे कर दिया है। बैंक का पर्सनल लोन अब 11.35 फीसदी की बजाय 8.9 फीसदी की ब्याज दर पर उपलब्ध होगा। बैंक ने रक्षा क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए (कार्यरत व रिटायर्ड दोनों) बैंक 8 फीसदी के आरओआई पर होम लोन दे रहा है। रक्षा क्षेत्र में पैरामिलिट्री बल भी शामिल हैं। इससे पहले बैंक 'दिवाली धमाका' के तहत पहले ही गोल्ड, होम लोन और कार लोन पर प्रोसेसिंग फीस को पूरी तरह से हटाने का ऐलान कर चुका है। बता दें कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र पर्सनल व होम लोन समेत अन्य खुदरा लोन पर सबसे कम ब्याज दरें देने वाले बैंकों में शामिल है। बैंक ने कहा` कि एक तरफ जहां नीतिगत दरों में इजाफे के साथ हर तरफ लोन की ब्याज दरें बढ़ रही हैं, बैंक ऑफ महाराष्ट्र खुदरा लोन सस्ता कर त्योहार के मौसम में लोगों के बीच खुशियां बांटना चाहता है। कुछ अन्य बैंक भी इस समय ग्राहकों को लुभान के लिए ऑफर दे रहे हैं। एसबीआई होम लोन की ब्याज दर पर 0.25 फीसदी की छूट दे रहा है। टॉप-अप लोन्स पर बैंक 0.15 फीसदी की छूट दे रहा है। फेस्टिव बोनाजा डील के तहत अगर आप बैंक से प्रॉपर्टी पर लोन लेते हैं तो आपको ब्याज दर में 0.30 फीसदी की छूट मिलेगी। बैंक ने 31 जनवरी 2023 तक होम लोन पर प्रोसेसिंग फीस को हटाकर इसे और आकर्षक बना दिया है। इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा भी होम लोन पर 7.95 फीसदी की ब्याज दर से लोन दे रहा है। साथ ही कार लोन भी बैंक 795 फीसदी की ब्याज दर पर ही दे रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट का संचालन अदाणी को सौंपने के खिलाफ केरल सरकार की याचिका की खारिज

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केरल सरकार और अन्य की याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें अडाणी एंटरप्राइजेज को तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन, प्रबंधन और विकास की अनुमति देने वाले केरल हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश यू.यू. ललित और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी ने कहा कि इस स्तर पर हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि एक निजी संस्था पिछले साल अक्टूबर से हवाई अड्डे के संचालन का प्रबंधन कर रही है। पीठ ने हवाईअड्डा प्राधिकरण कर्मचारी संघ (एएईयू) और अन्य द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से भी इनकार कर दिया। याचिकाओं को खारिज करते हुए, पीठ ने कहाः इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि निजी संस्था अक्टूबर 2021 से काम कर रही है, हमें हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता है।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि जिस जमीन पर हवाईअड्डा स्थित है, उसके स्वामित्व के संबंध में मामला चलता रहेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता सी.यू. सिंह ने पीठ के समक्ष दलील दी कि जिस जमीन पर हवाईअड्डा स्थित है वह राज्य सरकार की है, और राज्य को अधिमान्य अधिकार मिलना चाहिए, और यह भी आरोप लगाया कि आरएफपी अडाणी समूह के अनुरूप बनाया गया था। हालांकि, पीठ ने कहा कि राज्य सरकार ने आरएफपी शर्तों को चुनौती नहीं दी, बल्कि बोली में भाग लिया।

राज्य सरकार ने हवाईअड्डे के प्रबंधन के लिए अडाणी को तरजीह देने के भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के फैसले को चुनौती दी थी। अपील में तर्क दिया गया कि यह निर्णय जनहित में नहीं था और अदाणी को रियायत देना, जिसे हवाई अड्डों के प्रबंधन का कोई पिछला अनुभव नहीं है, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। बोली हारने के बाद, केरल सरकार ने केरल हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन एक अनुकूल निर्देश प्राप्त करने में विफल रही, जिसके बाद उन्होंने एएईयू के साथ शीर्ष अदालत का रुख किया।

अक्टूबर 2020 में, उच्च न्यायालय ने अडाणी एंटरप्राइजेज को तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट को लीज पर देने के केंद्र के फैसले को चुनौती देने से इनकार कर दिया।

चेन्नई के एक कारोबारी ने कर्मचारियों को दिवाली गिफ्ट में दी कार और बाइक

चेन्नई ।

सावजी ढोलकिया का नाम दिवाली पर अपने कर्मचारियों को महंगे गिफ्ट देने के लिए मशहूर हैं। हालांक, ढोलकिया ने इस बार अब तक अपने कर्मचारियों के लिए दिवाली गिफ्ट की घोषणा नहीं की है लेकिन चेन्नई के एक कारोबारी का नाम सुर्खियों में है। उन्होंने अपने कर्मचारियों को दिवाली गिफ्ट के रूप में कार और बाइक दी है। चेन्नई में चालानी ज्वेलरी मार्ट के मालिक जयंती लाल चयंत ने अपने कर्मचारियों को गिफ्ट देने के लिए 1.2 करोड़ रुपए खर्च कर डाले। उन्होंने दस कर्मचारियों को शानदार कार और 20 कर्मचारियों को चमचमाती बाइक गिफ्ट की। कंपनियां दिवाली पर अपने कर्मचारियों की गिफ्ट देती हैं। स्टाफ को भी इसका बेसब्री से इंतजार रहता है। लेकिन कर्मचारियों ने इतने महंगे गिफ्ट की उम्मीद नहीं की थी। यही वजह है कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था। इस मौके पर जयंती लाल ने कहा कि मेरे कर्मचारियों ने हर मौके पर मेरा साथ दिया। इसलिए उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए मैंने यह गिफ्ट दिया है। हमने 10 लोगों को कार और 20 लोगों को बाइक गिफ्ट की है। मेरे स्टाफ ने परिवार की तरह ही काम किया। वे सिर्फ स्टाफ नहीं बल्कि मेरा परिवार हैं। हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन ढोलकिया ने 2014 में दिवाली बोनस के तौर पर अपने कर्मचारियों को 491 कारें और 207 फ्लैट दिए थे। साल 2016 में उन्होंने दिवाली पर अपने कर्मचारियों को 400 फ्लैट और 1260 कारें गिफ्ट की थीं। इसी तरह 2018 में उन्होंने अपने तीन कर्मचारियों को मर्सिडीज बेंज जैसी महंगी कार गिफ्ट की थीं। इन कर्मचारियों ने कंपनी में नौकरी के 25 साल पूरे कर लिए थे। ढोलकिया की कंपनी 50 देशों को हीरे निर्यात करती है।

रिलायंस जियो वैश्विक कर्जदाताओं से जुटाएगी 12,300 करोड़

नई दिल्ली । रिलायंस जियो इंफोकॉम वैश्विक कर्जदाताओं से अतिरिक्त 1.5 अरब डॉलर (12,300 करोड़ रुपए) जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी अपने 5जी कैपेक्स को फंड करने के लिए एक्सटर्नल कमर्शियल बोरोइंग के जरिए यह रा शि जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी वैश्विक कर्जदाताओं से चर्चा कर रही है। मामले से जुड़े तीन लोगों ने ईटी को यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि कंपनी इस कर्ज के लिए बीएनपी पारिबास, एचएसबीसी और एमयूएफजी बैंक सहित कई विदेशी बैंकों के पास गई है। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी ईसीबी के जरिए 5 साल के लिए पैसा लेना चाह रही है। बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ महीनों पहले ही इस तरह के नियमों में ढील दी है। यह ताजा फंडराइजिंग 2.5 अरब डॉलर (20,600 करोड़ रुपए) के उस ऑफशोर सिंडिकेटेड लोन के अतिरिक्त है, जिसके लिए जियो विदेशी कर्जदाताओं से बातचीत कर रही है। यह पैसा स्वीडन की एरिक्सन और फिनलैंड के नोकिया से 5जी नेटवर्क गियर खरीद के लिए इस्तेमाल होगा।

अनिल अंबानी की कंपनी खरीद सकते हैं कुमार मंगलम बिड़ला!

- आरएनएलआईसी के लेंडर्स ने आदित्य बिड़ला कैपिटल को बोली लगाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

भारी कर्ज का सामना कर रही अनिल अंबानी की एक कंपनी को खरीदने के लिए कुमार मंगलम बिड़ला आगे आए हैं। बिड़ला की कंपनी आदित्य बिड़ला कैपिटल ने रिलायंस कैपिटल की सहयोगी कंपनी रिलायंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी (आरएनएलआईसी) में दिलचस्पी दिखाई है। बताया जा रहा है` कि आरएनएलआईसी के लेंडर्स ने आदित्य बिड़ला कैपिटल को बोली लगाने की मंजूरी दे दी है। रिलायंस कैपिटल इनसॉल्वेंसी की प्रक्रिया से गुजर रही है। इसके लिए नॉन-बाइंडिंग बिड्स जमा करने की अंतिम तारीख 29 अगस्त थी लेकिन रिलायंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को खरीदने के लिए कोई आगे नहीं आया था। रिलायंस कैपिटल की बाकी कंपनियों के लिए बोली मिली थी। सूत्रों के आरएनएलआईसी की कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स ने आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड को बोली लगाने की मंजूरी दे दी है। इस कंपनी में रिलायंस कैपिटल की 51 फीसदी और निप्पन लाइफ ऑफ जापान की 49 फीसदी हिस्सेदारी है। हालांकि इस बारे में आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड ने सवालों का जबाव नहीं दिया। रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए 14 प्रस्ताव मिले हैं। इसके लिए रिजॉल्यूशन सबमिट करने की अंतिम तारीख 29 अगस्त थी। इनमें पीरामल ग्रुप की अगुवाई वाला कंसोर्टियम भी शामिल है। इसके अलावा ओकट्री कैपिटल, टॉरेंट इनवेस्टमेंट्स, इंडसइंड इंटरनेशनल और कॉस्मी फाइनेंशियल सर्विसेज ने भी बोली लगाई है। इन कंपनियों ने पूरी कंपनी या कुछ क्लस्टर्स खरीदने के लिए बोली लगाई है। रिलायंस कैपिटल में करीब 20 फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनियां हैं। इनमें सिक्योरिटीज ब्रोकिंग, इंश्योरेंस और एक एआरसी शामिल है। आरबीआई ने भारी कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को 30 नवंबर 2021 को भंग कर दिया था और इसके खिलाफ इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू की थी। सेंट्रल बैंक ने नागेश्वर राव को कंपनी का एडमिनिस्ट्रेटर बनाया था। राव ने बोलीकर्ताओं को पूरी कंपनी या अलग-अलग कंपनियों के लिए बोली लगाने का विकल्प दिया था। एडमिनिस्ट्रेटर ने फाइनेंशियल क्रेडिटर्स के 23,666 करोड़ रुपए के दावों को वेरिफाई किया है। एलआईसी ने 3400 करोड़ रुपए का दावा किया है।

परिचालन चालू रखने एयरलाइनों के पास चार-छह महीने की नकदी होना चाहिएः सीएपीए

मुंबई । वैश्विक परामर्श और विमानन कंपनी सीएपीए ने कहा कि परिचालन की निरंतरता के लिए भारतीय विमानन उद्योग के पास कम से कम चार-छह महीने का नकद भंडार सुनिश्चित करने के लिए नीतियां होनी चाहिए। कंपनी ने कहा कि घरेलू विमानन उद्योग को चालू वित्त वर्ष 2022-23 में 1.4-1.7 अरब डॉलर या उससे अधिक घाटा होने का अनुमान है। दो सूचीबद्ध विमानन कंपनियों इंडिगो और स्पाइसजेट को चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में क्रमशः 1,064.30 करोड़ रुपए और 789 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। सीएपीए में दक्षिण एशिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कपिल कौल ने हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां तकनीकी रूप से दिवालिया कंपनियां विस्तार और परिचालन जारी रख सकती हैं। उन्होंने कहा कि एयरलाइनों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आय में कमी की स्थिति में उनके पास कम से कम चार से छह महीने का नकद भंडार हो और उनके वायु परिचालक परमिट (एओपी) को भी सालाना नवीनीकृत किया जाना चाहिए। वैश्विक मानकों के विपरीत भारत में एओपी का हर पांच में नवीनीकरण किया जाता है। कौल ने कहा कि हमारे पास वित्तीय मूल्यांकन का अभाव है। हमारे पास यह तभी होता है, जब एयरलाइंस परिचालन के लगभग अंतिम चरण में होती है। इसलिए संगठन के आकार के आधार पर आपको नीति-निर्माण की संरचना के जरिए भरोसा दिलाने की जरूरत है कि कामकाज के लिए चार से छह महीने की नकदी है।

यूपी औ बिहार में सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल

- ब्रेंट क्रूड का भाव एक डॉलर गिरकर 92.54 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आ रहे उतार-चढ़ाव के बीच सोमवार को यूपी और बिहार के शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट आई है। हालांकि आज भी तेल कंपनियों ने दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत नहीं बदली है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी भाव के अनुसार सोमवार सुबह गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) जिले में पेट्रोल की कीमतों में 28 पैसे गिरावट आई और 96.64 रुपए प्रति लीटर हो गया। यहां डीजल 26 पैसे गिरकर 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। इसी तरह, लखनऊ में पेट्रोल 5 पैसे गिरकर 96.62 रुपए लीटर और डीजल 5 पैसे गिरकर 89.81 रुपए लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल के 24 पैसे गिरकर 107.24 रुपए लीटर और डीजल 22 पैसे टूटकर 94.04 रुपए लीटर हो गया है। कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान करीब एक फीसदी की गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव 24 घंटे में करीब एक डॉलर गिरकर 92.54 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है, जबकि डब्ले यूटीआई का भाव पिछले 24 घंटे में एक फीसदी टूटकर 86.43 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.81 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पश्चिम बंगाल में 205 ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे, बोलियां आमंत्रित

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (डब्ल्यूबीएसईडीसीएल) ने राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधा स्थापित करने के लिए बोलियां आमंत्रित की है। एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी ने विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 205 चार्जिंग या बैटरी अदला-बदली (स्वैपिंग) स्टेशन स्थापित करने के लिए इच्छुक परिचालकों से बोलियां आमंत्रित की हैं। पश्चिम बंगाल में ईवी चार्जिंग की बुनियादी सुविधा स्थापित करने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त डब्ल्यूबीएसईडीसीएल ने कहा कि ये चार्जिंग स्टेशन उसकी जमीन पर स्थापित किए जाएंगे लेकिन इनका रख-रखाव उन परिचालकों द्वारा किया जाएगा और वे राजस्व का एक हिस्सा देंगे। अधिकारी ने कहा कि हम सौदे के इस चरण में अपने सब-स्टेशनों में 205 ईवी चार्जिंग, स्वैपिंग स्टेशनों के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराएंगे। जबकि निवेश, संचालन और रखरखाव निजी रियायतकर्ता करेंगे।

नीलामी के लिए राजस्व हिस्सेदारी का न्यूनतम मूल्य एक रुपए प्रति यूनिट बिजली है। उन्होंने कहा कि 205 स्टेशनों में से 40 राष्ट्रीय राजमार्गों के पास स्थापित किए जाएंगे। शेष 165 अन्य जगहों पर बनाए जाएंगे। विस्तार खंड के साथ प्रारंभिक अनुबंध अवधि 10 साल की होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप देखेंगे 120,000 स्कूली बच्चे

भुवनेश्वर।
विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने सोमवार को कहा कि भारत में चल रहे फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप को एक लाख से भी अधिक स्कूली बच्चे देखेंगे। महिला अंडर-17 विश्वकप जिन तीन स्थानों पर खेला जा रहा है उनमें बच्चों के लिए सीटें आरक्षित हैं। टूर्नामेंट की स्थानीय आयोजन समिति और फीफा के प्रयासों से तीनों स्थानों भुवनेश्वर, मडगांव और नवी मुंबई में यह पहल की गई है। टूर्नामेंट 11 अक्टूबर को शुरू हुआ और 30 अक्टूबर तक चलेगा। फीफा ने बयान में कहा, ''अब तक तीनों स्थानों पर हजारों बच्चों ने विश्व स्तरीय फुटबॉल का आनंद उठाया है और आने वाले दिनों में कई अन्य बच्चों को ऐसा मौका मिलेगा।''

PKL 9 : परदीप और गिल की बदौलत यूपी ने भरी उड़ान

बुल्स को 7 अंक से हराया

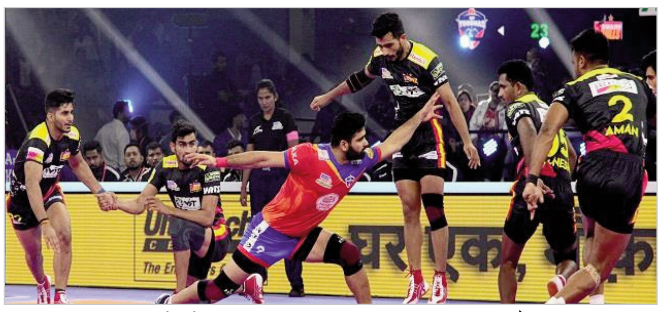

बेंगलुरू।

अपने दो स्टार रेडर्स- परदीप नरवाल (14) और सुरेंदर गिल (14) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत यूपी योद्धाज ने श्री कांतीरवा इंडोर स्टेडियम में सुपर संडे को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 23वें मैच में मेजबान बेंगलुरू बुल्स को 44-37 के अंतर से हरा दिया। परदीप ने 5 रेड नाकाम होने के बाद लय पकड़ी और अपना पहला सुपर-10 पूरा किया जबकि गिल ने इस सीजन के दूसरे सुपर-10 के साथ अपनी टीम को दूसरी जीत दिलाई। इस जीत ने यूपी को अंक तालिका में चौथे स्थान पर लाकर खड़ा कर दिया है। बुल्स को चार मैचें में दूसरी हार मिली है। उसने दो मैच जीते भी हैं। बुल्स के लिए विकास कंडोला (12) ने सुपर-10 लगाया जबकि भरत ने 9 अंक लिए। इस मैच में यूपी की रेडिंग टीम ने 25 के मुकाबले 28 अंक लिए जबकि डिफेंस को 5 के मुकाबले 8 अंक मिले। साथ ही यूपी को आलआउट के भी 6 अंक मिले। एक समय स्कोर 7-7 था लेकिन फिर यूपी ने बुल्स को पहली बार ऑल आउट कर 15-10 की लीड ले ली। अब बारी परदीप की थी। पहले ऑल आउट के बाद चार अंकों की रेड के साथ परदीप ने बुल्स को फिर ऑलआउट की ओर धकेला और दो मिनट के भीतर इसे अंजाम देकर हाफ टाइम तक 26-12 की लीड ले ली। परदीप ने 5 रेड में खाता भी नहीं खोला था और अगली चार रेड पर नौ अंक लेकर उन्होंने मैच को यूपी के हक में लाकर खड़ा कर दिया। दूसरी ओर, विकास की झोली 7 रेड के बाद भी खाली थी। ब्रेक के बाद विकास को नितेश और सुमित की चंगुल से बचते हुए अपना रंग दिखाने की जरूरत थी। इसी तरह बुल्स के डिफेंस के सामने परदीप को रोकने की बहुत बड़ी चुनौती थी। ब्रेक क बाद यूपी के रेडर गेम को स्लो कर रहे थे जबकि डिफेंस ने भरत को लपक अपना काम किया। फिर गिल ने रेड पर अपना 8वां अंक लिया। इसी बीच, विकास ने भी अपना खाता खोला। गिल ने फिर मल्टी प्वाइंट रेड के साथ सीजन का दूसरा सुपर-10 पूरा कर लिया। चार के डिफेंस में फिर परदीप ने सुपर-10 पूरा कर लिया। अब परदीप को रोकना मुश्किल था। अगली रेड पर 2 अंक लेकर परदीप ने बुल्स को तीसरी बार ऑल आउट की ओर ढकेल दिया। अगली रेड पर परदीप ने दो अंक लेकर तीसरी बार आलआउट को अंजाम दे स्कोर 37-16 कर दिया। यूपी की टीम हालांकि बुल्स को वापसी का कोई मौका नहीं देना चाह रही थी।अब तक 25 फेल्ड टैकल्स करने वाली बुल्स के डिफेंस ने हालांकि अगली रेड पर परदीप को लपक लिया। अब यूपी के लिए सुपर टैकल आन था। 27-42 के स्कोर पर विकास ने यूपी को ऑल आउट की ओर ढकेला और फिर उसे अंजाम देकर स्कोर डिफरेंस 12 कर दिया। बुल्स की नजर 7 के स्कोर डिफरेंस पर थी, जिससे उसे मैच से एक अंक मिल सके। इसी बीच, विकास ने अपना सुपर-10 पूरा किया। फिर अपनी टीम की अंतिम रेड पर दो अंक लेकर स्कोर डिफरेंस 7 का कर बुल्स को इस मैच के एक अंक दिला दिया।

दक्षिण अफ्रीका का दमदार प्रदर्शन

न्यूजीलैंड को 98 पर ढेर करने के बाद 11.2 ओवर में जीता मैच

ब्रिस्बेन ।

क्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन और राइली रूसो (54 नाबाद) के अर्द्धशतक से न्यूजीलैंड को टी20 विश्व कप 2022 के एकतरफा अभ्यास मैच में सोमवार को नौ विकेट से मात दी। न्यूजीलैंड पहले बल्लेबाजी करते हुए 17.1 ओवर में 98 रन पर ऑलआउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने 99 रन का लक्ष्य 11.2 ओवर में हासिल कर लिया। प्रोटियाज के कप्तान डेविड मिलर ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी और गेंदबाजों ने उन्हें निराश नहीं किया। केशव महाराज ने तीन ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट लिए। वेन पार्नेल और तबरेज शम्सी ने दो-दो विकेट लिए जबकि एडेन मार्करम और कागिसो रबाडा ने एक-एक विकेट निकालकर कीवी टीम को 98 रन पर समेट दिया। दक्षिण अफ्रीका ने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए रीजा हेंड्रिक्स (27) का विकेट गंवाया। राइली रूसो ने 32 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के के साथ 54 रन बनाए और 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। एडेन मार्करम 12 गेंदों पर 16 रन बनाकर नाबाद रहे।

अंडर 20 एशिया कप फुटबाल क्वॉलिफायर में ऑस्ट्रेलिया से हारा भारत

कुवैत सिटी । भारत को एएफसी अंडर 20 एशिया कप क्वॉलिफायर में लगातार दूसरी पराजय झेलनी पड़ी और अब ऑस्ट्रेलिया ने उसे 4-1 से मात दी है। कप्तान गुरकीरत सिंह ने भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए जी काउल, एड्रियन एस और मैक्स कापुटो ने गोल दागे। भारत के विकास युमनाम ने एक आत्मघाती गोल कर दिया। पहले मैच में ईराक ने भारत को 4.2 से मात दी थी। पहले हाफ में दो गोल गंवाने के बाद भारत के लिए 63वें मिनट में गुरकीरत ने गोल किया। भारतीय टीम कई बार गोल करने के करीब पहुंची, लेकिन आपसी तालमेल के अभाव में गोल नहीं हो सका। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 12वें मिनट में ही काउल के गोल के दम पर बढ़त बना ली थी। भारत ने आखिरी पांच मिनट में दो गोल और गंवाए। बता दें कि भारतीय फुटबॉल टीम की तरफ से इराक के खिलाफ खेले गए मैच में गुरकीरत सिंह और टायसन सिंह ने मौके बनाए थे, लेकिन गोल नहीं कर सके। गुरकीरत ने 22वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। उन्होंने 33वें मिनट में महीसन सिंह के गोल के सूत्रधार की भूमिका भी निभाई। हाफटाइम तक भारत ने बढ़त बना ली थी, लेकिन दूसरे हाफ में पासा पलट गया था। हैदर तोफी ने बराबरी का गोल दागा और सादिक शाहीन ने ईराक को बढ़त दिला दी। ईराक ने 71 वें मिनट में स्कोर 4-2 कर दिया, जब आजाद कलूरी के क्रॉस पर गेंद विकास युमनाम के डिफ्लैक्शन से गोल के भीतर चली गई।

टी20 विश्व कप : स्कॉटलैंड ने किया उलटफेर, वेस्टइंडीज को दी करारी शिकस्त

होबार्ट ।

स्कॉटलैंड ने जॉर्ज मंसी (66 नाबाद) के अर्द्धशतक और मार्क वॉट (12/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज को टी20 विश्व कप 2022 के प्रारंभिक दौर में सोमवार को 42 रन से हराकर उलटफेर किया। स्कॉटलैंड ने ग्रुप-बी मुकाबले में मंसी के 53 गेंदों पर 9 चौकों के साथ बनाए गए 66 रनों की बदौलत वेस्टइंडीज को 161 रन का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में विंडीज 118 रन पर ऑलआउट हो गई। जेसन होल्डर ने 33 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का लगाकर 38 रन की जुझारू पारी खेली लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। स्कॉटलैंड ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए पारी की मजबूत शुरुआत की। मंसी ने माइकल जोन्स (20) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 55 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान रिची बेरिंगटन (16), कैलम मैकलियोड (23) और क्रिस ग्रीव्स (16) ने मंसी के साथ मिलकर स्कॉटलैंड को 20 ओवर में 160/5 के स्कोर तक पहुंचाया। वेस्ट इंडीज के लिये जेसन होल्डर ने तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि अल्जारी जोसेफ ने चार ओवर में 28 रन देकर दो विकेट चटकाए। चार ओवर में 31 रन देने वाले ओडियन स्मिथ ने एक विकेट अपने नाम किया। वेस्ट इंडीज़ 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार विकेट गंवाने के कारण मैच से बाहर होती गयी। काइल मेयर्स (20),एविन लेवाइस (14) और ब्रैंडन किंग (17) ने अच्छी शुरुआत के बाद निराशाजनक रूप से अपना विकेट गंवाया, जबकि कप्तान निकोलस पूरन चार रन बनाकर आउट हुए। रोवमैन पॉवेल के रूप में वेस्ट इंडीज का पांचवां विकेट गिरने के बाद क्रीज पर आए होल्डर ने टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाने का प्रयास किया लेकिन शमारह ब्रूक्स, अकील हुसैन, अल्ज़ारी जोसेफ़ और ओडियन स्मिथ उनका साथ नहीं दे सके। पारी के 19वें ओवर में होल्डर का विकेट गिरते ही वेस्ट इंडीज की पारी समाप्त हो गयी और स्कॉटलैंड ने मैच 42 रन से जीत लिया। मार्क वॉट ने चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट लिए। ब्रैड वील और माइकल लीस्क ने दो-दो विकेट लिए जबकि जॉश डेवी और साफ्यान शरीफ को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

संक्षिप्त समाचार

एशियाई कप 2023 की मेज़बानी करेगा क़तर

कुआला लंपुर। एएफसी एशियाई कप 2023 की मेज़बानी क़तर फुटबॉल एसोसियेशन (क्यूएफए) करेगा। एशियाई फुटबॉल संघ (एएफसी) ने सोमवार को यह घोषणा की। एएफसी अध्यक्ष शेख सलमान बिन अब्राहिम अल खलीफा ने एएफसी कार्यकारी समिति की 11वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए क्यूएफए को उनकी सफल बोली पर बधाई दी। उन्होंने एशियाई फुटबॉल परिवार की ओर से इंडोनेशियााई फुटबॉल एसोसिएशन (पीएसएसआई) और कोरिया फुटबॉल एसोसिएशन (केएफए) की सराहना की। उनके प्रस्तावों के लिए। शेख सलमान ने कहा, ''तैयारी में कम समय होने के कारण कड़ी मेहनत तुरंत शुरू हो जाती है। हमें विश्वास है कि क़तर अपने विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और बेजोड़ मेज़बानी क्षमताओं के साथ एशिया के मुकुट रत्न की प्रतिष्ठा और कद के अनुरूप एक योग्य प्रदर्शन आयोजन करेगा।% उल्लेखनीय है कि कतर मौजूदा एएफसी एशियाई कप चैंपियन है। वह 1988 और 2011 के संस्करणों के बाद तीसरी बार महाद्वीप के सबसे प्रतिष्ठित पुरुष टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले रोहित का एक-एक रनों के लिए संघर्ष, चिंता का विषय

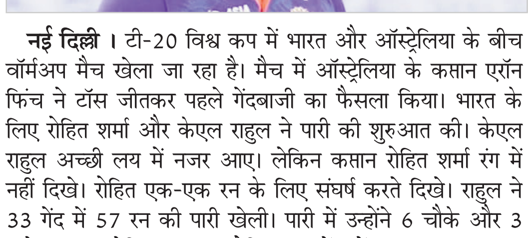

नई दिल्ली । टी-20 विश्व कप में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वॉर्मअप मैच खेला जा रहा है। मैच में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान एरॉन फिंच ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत के लिए रोहित शर्मा और केएल राहुल ने पारी की शुरुआत की। केएल राहुल अच्छी लय में नजर आए। लेकिन कप्तान रोहित शर्मा रंग में नहीं दिखे। रोहित एक-एक रन के लिए संघर्ष करते दिखे। राहुल ने 33 गेंद में 57 रन की पारी खेली। पारी में उन्होंने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। लेकिन, कप्तान रोहित 14 गेंद में 15 रन बना पाए। रोहित का स्ट्राइक रेट 107 का रहा। उन्होंने अपनी पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया। रोहित और राहुल की जोड़ी ने पहले चार ओवर में 47 रन जोड़े। इसमें 43 रन केएल राहुल के बल्ले से आए। इस ओवर तक रोहित का खाता तक नहीं खुला था और रोहित 4 गेंद खेल चुके थे।पांचवें ओवर में जाकर रोहित का खाता खुला। अगले ओवर में जरूर उन्होंने ग्लेन मैक्सवेल की लगातार दो गेंद पर चौका और छक्का जड़ा। यह ओवर खत्म हुआ, तब रोहित का स्कोर 9 गेंद पर 13 रन पहुंच गया था। हालांकि, इसके बाद रोहित एक-एक रन के लिए संघर्ष करते नजर आए और भारतीय पारी के 9वें ओवर में एश्टन एगर की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने के चक्कर में डीप मिडविकेट पर कैच आउट हो गए। इस तरह रोहित की पारी का अंत हुआ। वहां 14 गेंद में 15 रन बनाकर आउट हुए।

सैन डिएगो ओपन : इगा स्वियातेक ने डॉना वैनिक को हराकर जीता खिताब

सैन डिएगो (कैलिफोर्निया) ।

पोलैंड की टॉप सीड इगा स्वियातेक ने सैन डिएगो ओपन फाइनल में डॉना वैनिक को हराकर साल का आठवां खिताब जीत लिया है। स्वियातेक ने एकतरफा मुकाबले में वैनिक को 6-3, 3-6, 6-0 से मात दी। शीर्ष रैंकिंग वाली स्वियातेक ने अपने करियर का 11वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीतने के लिए एक घंटे 47 मिनट का समय लिया। स्वियातेक ने पहला सेट आसानी से अपने नाम किया लेकिन दूसरे सेट में वैनिक के आक्रामक खेल ने उन्हें कई अप्रत्याशित गलतियां करने के लिये मजबूर किया। स्वियातेक ने आखिरी सेट में वापसी की और लंबी रैलियां जीतते हुए सेट और मैच अपने नाम किया। यह इस साल स्वियातेक की 64वीं जीत है। साल 2013 में सेरेना विलियम्स की 78 विजयों के बाद स्वियातेक ने एक सीजन में (डब्ल्यूटीए टूर इवेंट्स और बिली जीन किंग कप प्ले सहित) सबसे अधिक मैच जीते हैं। स्वियातेक ने इस साल अमरीकी आयोजनों में भी असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2022 में अमेरिकी धरती पर 24 मैच जीते जबकि केवल एक मुकाबला हारा है। वह सैन डिएगो ट्रॉफी उठाने से पहले इंडियन वेल्स ओपन, मियामी ओपन, और अमेरिकी ओपन के रूप में अपने करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकी हैं।

एमचैस रैपिड शतरंज - अब गुकेश नें विश्व चैम्पियन कार्लसन को हराया

नई दिल्ली (निकलेश जैन) चैंपियनशिप चैस टूर के आठवे पड़ाव एमचैस रैपिड शतरंज के तीसरे दिन भारत के लिए एक और उपलब्धि मिली जब भारत के नंबर 2 खिलाड़ी 16 वर्षीय ग्रांड मास्टर और ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाले डी गुकेश नें भी विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन को लीग चरण के नौवे राउंड में पराजित का दिया । इस मुक़ाबले में सफ़ेद मोहरो से खेल रहे गुकेश नें फ्रेंच ओपनिंग में आक्रामक रुख अपनाया और खेल को अपने नियंत्रण में ले लिया और जब ऐसा लग रहा था की कार्लसन मुक़ाबला जीत जाएँगे गुकेश ने हार ना मानते हुए खेल की 24वीं चाल में एक जाल बिछाया और कार्लसन उसमें फस गए ,इसके बाद सिर्फ 29 चालों में ही कार्लसन नें हार स्वीकार कर ली । गुकेश नें इसके बाद अजरबैजान के ममेद्यारोव और कनाडा के एरिक हेनसेन को पराजित किया जबकि पोलैंड के यान डूड़ा से उन्हे हार का सामना करना पड़ा । वही कल विश्व चैम्पियन कार्लसन को मात देने वाले भारत के नंबर 3 खिलाड़ी अर्जुन एरिगासी नें जर्मनी के विन्सेंट केमर और कनाडा के एरिक हेनसेन को हराकर खुद को प्ले ऑफ की दौड़ में बनाए रखा है । फिलहाल 12 राउंड के बाद डूड़ा 25 अंको के साथ पहले स्थान पर चल रहे है जबकि ममेद्यारोव 23 अंक बनाकर खेल रहे है । गुकेश , अर्जुन और कार्लसन 21 अंक , उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव 20 अंक ,रोमानिया के रिचर्ड रापोर्ट और नीदरलैंड के अनीश गिरि 18 अंक बनाकर प्ले ऑफ की दौड़ में आगे बने हुए है ।

फिंच ने हार पर कहा, अभ्यास मैच में जीतने से से आप वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते

नई दिल्ली । भारतीय टीम ने अपना तीसरा अभ्यास मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सोमवार को खेला। यह मुकाबला आखिर तक तराजू पर रखा दिखा। लेकिन अंत में टीम इंडिया ने मेजबानों के खिलाफ 6 रनों से जीत दर्ज की। मैच के बाद कंगारू टीम के कप्तान एँरोन फिंच ने कुछ अलग अंदाज में सफाई दी। फिंच ने मुकाबले में बेहतरीन पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जिताने में कामयाब नहीं हुए। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने मुकाबले में 54 गेंदो में 7 चौकों और 3 गगन चुंबी छक्कों की मदद से 76 रनों की तूफानी पारी खेली। 19वें ओवर में फिंच के आउट होने के बाद भारतीय टीम ने राहत की सांस ली। मैच गंवाने के बाद कप्तान फिंच ने कहा कि मेरा का मानना है कि अभ्यास मैच में जीत हासिल करने से वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते। फिंच ने कहा, मुकाबले के बाद हमने सीखा है कि हमें बैक-एंड में और अच्छा करने की आवश्यकता है। राहुल ने धमाकेदार शुरुआत की लेकिन उसके बाद हमने शानदार वापसी की। केन रिचर्डसन को जब भी मौका मिलता है, वह शानदार प्रदर्शन करते हैं। जो हमारी तेज गेंदबाजी की गहराई को दर्शाता है। 22 अक्टूबर को जीत के साथ शुरुआत करना हमारी टीम के लिए शानदार होगा।

PKL 9 : महाराष्ट्रन डर्बी में पल्टन ने मुंबा को 2 अंक से हराया, दर्ज की सीजन की पहली जीत

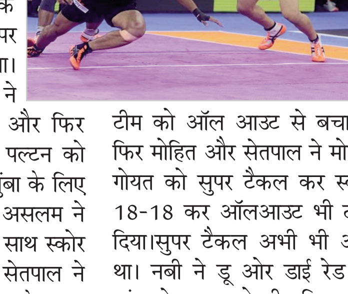

बेंगलुरू।

पुनेरी पल्टन ने श्री कांतीरवा इंडोर स्टेडियम में सुपर संडे को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 22वें मैच में यू मुंबा को 30-28 से हरा दिया इस लो स्कोरिंग द ग्रेट महाराष्ट्रन डर्बी में जीत के साथ पल्टन ने इस सीजन में अपना खाता खोल लिया है। दोनों टीमों का यह चौथा मुकाबला था। यू मुंबा ने दो में जीत दर्ज की है जबकि दो में उसे हार मिली है। दूसरी ओर, पल्टन को एक मैच में जीत और दो मैचो में हार मिली है जबकि उसका एक मैच मैच टाई रहा है। यह एक ऐसा मैच था, जिसमें न तो कोई हाई-5 लगा न ही सुपर-10 बना लेकिन पूरे मैच के दौरान रोमांच बना रहा। पल्टन की बात करें तो असलम इनामदार ने 9 अंक लिए जबकि मोहम्मद नबीबक्श को डिफेंस में चार अंक मिले। मोहित गोयत के खाते में 5 अंक आए और कप्तान फजल अतराचली ने भी चार अंक जुटाए। मुंबा के लिए गुमान सिंह ने 7 जबकि जय भगवान ने पांच अंक लिए। पहले हाफ की समाप्ति तक पल्टन ने 14-13 की लीड ले रखी थी। अंकों को छोड़ दें तो यह हाफ दोनों टीमों के लिहाज से बराबरी पर रहा। एक का रेडिंग विभाग बेहतर खेला तो एक के डिफेंस ने बेहतर किया। मुंबा की ओर से गुमान, रिंकू और जय भगवान लगातार अच्छा खेल रहे थे जबकि पल्टन की ओर से मोहम्मद नबीबक्श, असलम और मोहित गोयत अपनी टीम को लगातार मुकाबले में बनाए हुए थे। यू मुंबा ने 3-1 की लीड के साथ शुरुआत की लेकिन चार मिनट बीतते-बीतते पल्टन ने 3-3 की बराबरी कर ली। फिर दोनों के बीच आगे निकलने की होड़ लगी रही और 20 मिनट बाद पल्टन ने एक अंक की लीड हासिल की। अब तक अपनी जीत का खाता नहीं खोल पाने वाली पल्टन के लिए कप्तान फजल का चलना अच्छा संकेत है जबकि दूसरे हाफ में मुंबा के लिए गुमान और रिंकू पर काफी कुछ निर्भर होगा। ब्रेक के बाद असलम ने रिंकू को बाहर किया और फिर डिफेंस में अंक लेकर पल्टन को 3 की लीड दिला दी। मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था। असलम ने लगातार तीसरे अंक के साथ स्कोर 17-14 किया। राहुल सेतपाल ने हालांकि रनिंग हैंड टच के साथ टीम को ऑल आउट से बचाया। फिर मोहित और सेतपाल ने मोहित गोयत को सुपर टैकल कर स्कोर 18-18 कर ऑलआउट भी टाल दिया।सुपर टैकल अभी भी आन था। नबी ने डू ओर डाई रेड पर अंक ले पल्टन को लीड दिला दी।

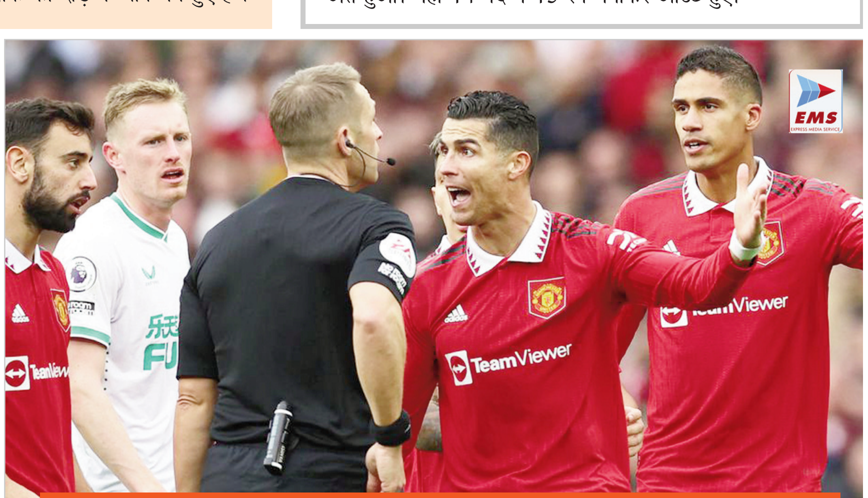

मैनचेस्टर यूनाइटेड बनाम न्यूकैसल यूनाइटेड के बीच ब्रिटेन के ओल्ड ट्रैफोर्ड मानचेस्टर में फुटबाल प्रीमियर लीग मुकाबले में खेले गए मुकाबले में जब रेफरी ने यलो कार्ड दिखाया तो मैनचेस्टर यूनाइटेड के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इस तरह रिएक्ट किया।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट

2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता

5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल

50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन

रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें। कुख हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन

1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता हैं। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुंड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

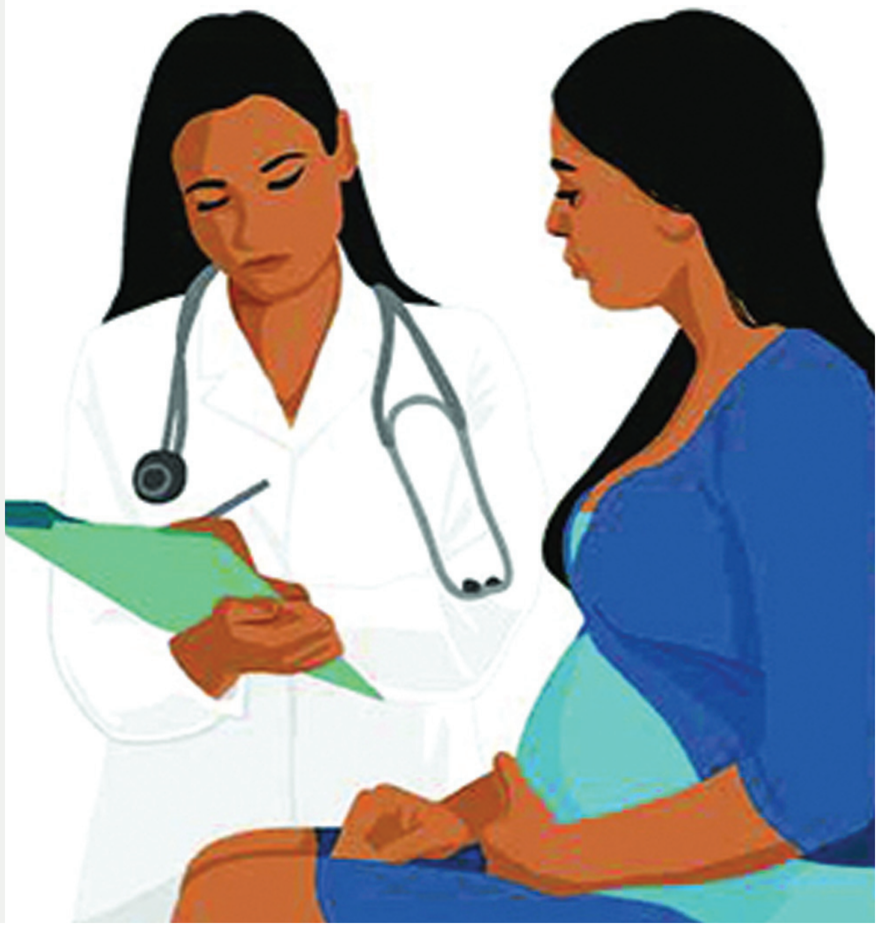

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिंकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

तालिबानी खौफ के डर से महिला ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

-पत्थर मारकर मौत के घाट उतारने की मिली थी सजा

काबुल । अफगानिस्तान के घोर प्रांत में महिला ने कथित रूप से खुदकुशी कर ली। रिपोर्ट में बताया गया है कि महिला पर आरोप था, कि वह किसी विवाहित पुरुष के साथ घर से भागी थी और महिला को सार्वजनिक रूप से पत्थर मारकर मौत के घाट उतारने की सजा मिली थी। महिला ने अपमान और तालिबानी खौफ के डर से यह कदम उठा लिया। खबर में बताया गया है कि स्थानीय तालिबान महिलाओं को कड़ी सजा देता है। इसतरह के अपराधों पर तालिबान ने सार्वजनिक रूप से कोड़े मारने या फिर पत्थर मारने की सजा देने का फैसला किया है। तालिबानी सजा के डर से महिला ने दुपट्टे से अपना गला घोंट लिया। उसका शव उसके घर से बरामद किया गया है। तालिबानी प्रांतीय पुलिस प्रमुख के कार्यकारी प्रवक्ता अब्दुल रहमान ने कहा कि महिला दोषी थी और महिला सार्वजनिक तौर पर पत्थर मारने की सजा मिली थी, व?योंकि स्थानीय स्तर पर महिला जेल नहीं थी। हालांकि ऐसी घटनाओं और सजा के बावजूद अफगानिस्तान में महिलाओं के घरों से भाग जाने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। तालिबान ने सख्त पाबंदियां लगाई हैं और महिलाओं को शिक्षा से भी कुछ इलाकों में दूर रखा गया है। कक्षा छह से ऊपर की छात्राओं के स्कूल जाने पर पाबंदी है। टैक्सी ड्राइवरों और अन्य शहरी परिवहन सेवाओं को भी तालिबान द्वारा महरम के बिना महिलाओं को लेने और छोड़ने से मना किया गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार मीडिया में काम करने वाली करीब 80 प्रतिशत महिलाएं अपनी नौकरी गवां चुकी हैं। अफगानिस्तान में 1 करोड़ 80 लाख महिलाएं स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक अधिकारों के लिए संघर्षरत हैं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन ने अगस्त में रिपोर्ट जारी की, जिसमें तालिबान के अधिग्रहण के बाद से अफगानिस्तान में मानवाधिकारों की स्थिति की रूपरेखा तैयार की गई थी।

वित्तमंत्री ने अमेरिकी यात्रा के दौरान राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन का दौरा किया

वॉशिंगटन । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन (एनएसएफ) मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्हें स्वास्थ्य संकट के समय सार्वजनिक संदेश, खगोल विज्ञान, रोबोटिक्स के लिए कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) जैसे प्रमुख मुद्दों पर प्रस्तुतियां दी गईं। सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका की राजधानी में थीं। वित्तमंत्री ने पिछले सोमवार को अपनी छह दिवसीय यात्रा की शुरुआत ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूट में थिंक-टैंक समुदाय के साथ वार्ता से की थी एनएसएफ की यात्रा के दौरान सीतारमण को खगोल विज्ञान, कोविड-19 स्वास्थ्य संकट के दौरान सार्वजनिक संदेश, रोबोटिक्स के लिए एआई, कृषि और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए प्रख्यात प्राध्यापकों ने डिजिटल प्रस्तुतियां दीं। ब्लैक होल पर सफलता की खोज के लिए प्रमुख शोधकर्ता रहीं डॉ कैथरीन बौमन, नोबेल पुरस्कार विजेता और अर्थशास्त्र के एमआईटी प्रोफेसर अभिजीत बनर्जी, अर्थ सेंस के सह-संस्थापक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी डॉ गिरीश चौधरी ने प्रस्तुतियां दीं। एनएसएफ के निदेशक डॉ सेतुरमन पंचनाथन ने सीतारमण को फाउंडेशन के काम के बारे में जानकारी दी और उन्हें एनएसएफ गैलरी का दौरा कराया।

भारत के गवर्नर रहे लॉर्ड माउंटबेटन के खिलाफ अदालत पहुंचा यौन शोषण का मामला

लंदन। ब्रिटिश राज परिवार के करीबी और भारत के गवर्नर रह चुके लॉर्ड माउंटबेटन के खिलाफ कम उम्र के लड़कों के यौन शोषण का मामला पहली बार किसी अदालत की दहलीज पर पहुंचा है। फिर एक शख्स ने आरोप लगाया है कि कम उम्र में माउंटबेटन ने उसका रेप किया था। अब तक ये चौथा शख्स है, जिसने आरोप लगाया है कि माउंटबेटन ने कम उम्र में उसका यौन शोषण किया था। किनकोरा बॉयज होम के एक पूर्व निवासी आर्थर स्मिथ ने ये आरोप लगाए हैं। अब माउंटबेटन के खिलाफ यौन अपराधों के आरोप अदालत में दायर किए जाएंगे। लॉर्ड माउंटबेटन ब्रिटेन के नए किंग चार्ल्स तृतीय के लिए गुरु और पिता के समान थे। इससे शाही परिवार के सामने परेशानी पैदा हो सकती है। आरोप है कि माउंटबेटन ने उत्तरी आयरलैंड में कई छोटी उम्र के लड़कों को अपनी यौन इच्छा को पूरा करने के लिए निशाना बनाया। स्मिथ ने उनके और अन्य लोगों के खिलाफ बेलफास्ट में कानूनी मामला दायर किया है। स्मिथ का दावा है कि जब वे 11 साल के थे, तब उनका यौन शोषण माउंटबेटन ने किया था। अगर उनका दावा सही साबित होता है,तब वह माउंटबेटन के शिकार बने लड़कों की सूची को और बढ़ाएंगे। जिनमें से चार आयरलैंड से हैं। स्मिथ का कहना है कि उनके साथ 1977 में किनकोरा में माउंटबेटन ने दो बार यौन दुर्व्यवहार किया था। इसके बाद आगे चलकर अपने जीवन में उसने आत्महत्या की कोशिश भी की। जिसमें वह बुरी तरह घायल होकर अस्पताल में भर्ती हुए थे। गौरतलब है कि किनकोरा बॉयज होम को तीन लोग-विलियम मैक्ग्राथ, जोसेफ मेन्स और रेमंड सेम्पल चलाते थे। इन सभी को दिसंबर 1981 में बाल यौन शोषण का दोषी ठहराया गया था। किनकोरा बॉयज होम चलाने वाले मैक्ग्राथ और मेन्स एक एंग्लो-आयरिश सेक्स रैकेट का हिस्सा थे। जो बच्चों की देखभाल के लिए केंद्र चलाने की आड़ में बच्चों को वीआईपी लोगों की यौन इच्छा को पूरा करने के लिए भेजते थे।

दुनिया के दूसरे सबसे उम्र दराज गोरिल्ला की मौत

वॉशिंगटन । दुनिया के दूसरे सबसे उम्र दराज गोरिल्ला की मौत हो गई है। अमेरिका के कैंटकी के लुइसविले चिड़ियाघर ने इसकी सूचना दी। चिड़ियाघर ने बताया कि हेलेन नाम की इस गोरिल्ला की उम्र 64 साल थी। आमतौर पर गोरिल्ला की औसत उम्र 39 साल होती है।

चिड़ियाघर ने कहा, हेलेन ने अपने अधिकांश जीवन के लिए उल्लेखनीय रूप से अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लिया, केवल अपेक्षित उम्र से संबंधित गठिया और कुछ पीरियडोंटल बीमारी के साथ उन्हें दिक्कत हुई। हालांकि, हेलन ने हाल ही में बढ़ती अस्थिरता और कंपकंपी विकसित की इसने उस गिरने के अधिक जोखिम में डाल दिया। उसके देखभाल करने वालों ने हेल को इच्छामृत्यु देने का निर्णय लिया। लुइसविले में अपने पूरे समय के दौरान, हेलेन ने अपने बड़े व्यक्तित्व और लंबी उम्र से चिड़ियाघर के प्रशंसकों को प्रभावित किया। चिड़ियाघर के देखभाल करने वालों की आंखे नम हो गई। लुइसविले चिड़ियाघर के निदेशक डैन मैलोनी ने कहा, हेलेन जैसे विशेष गोरिल्ला को छोड़ना बहुत कठिन है, लेकिन यह अक्सर आखिरी, सबसे अच्छी चीज है जो हम अपने जानवरों के लिए कर सकते हैं।

प्रलंयकारी बाढ़ से नाइजीरिया में भारी तबाही, 600 से अधिक लोगों ने जान गंवाई, 13 लाख हुए बेघरवार

लागोस। प्रलंयकारी बाढ़ के कहर से नाइजीरिया में भारी तबाही का मंजर देखने को मिला है। बीते एक दशक में आई सबसे भीषण बाढ़ ने देश में भयंकर तबाही मचाई है। इस बाढ़ में अब तक 600 से अधिक लोगों की जान जाने की सूचना है। जारी एक नए आंकड़े में यह जानकारी दी गई है। नाइजीरिया के मानवीय मामलों के मंत्रालय ने ट्विटर पर जारी एक बयान में कहा गया है कि आपदा ने 13 लाख से अधिक लोगों को बेघर होने के लिए मजबूर कर दिया।

एक खबर के मुताबिक मानवीय मामलों की मंत्री सादिया उमर फारूक ने कहा कि दुर्भाग्य से आज 16 अक्टूबर, 2022 तक बाढ़ से 603 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मंत्री ने कहा कि पिछले हफ्ते से पहले मरने वालों की संख्या 500 थी। लेकिन कुछ राज्य सरकारों ने बाढ़ से निपटने के लिए तैयारी नहीं की थी। जिसके कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई। मंत्री उमर फारूक ने कहा कि बाढ़ ने 82,000 से अधिक घरों और लगभग 110,000 हेक्टेयर (272,000 एकड़) कृषि भूमि को पूरी तरह से तबाह कर दिया है।

नाइजीरिया में बारिश का मौसम आमतौर पर जून के आसपास शुरू होता है। इस बार अगस्त के बाद से बारी बारिश हुई। जबकि देश में 2012 में आई भयंकर बाढ़ से 363 लोगों की मौत हुई थी और 21 लाख से ज्यादा लोग बेघर हुए थे। उप-सहारा अफ्रीका का ये देश जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित है। इसकी अर्थव्यवस्था पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण कई तरह के संकटों से जूझ रही है। देश के चावल उत्पादकों ने चेतावनी दी है कि विनाशकारी बाढ़ से देश में करीब 20 करोड़ लोगों को बढ़ती महंगाई से जूझना पड़ सकता है। क्योंकि नइजीरिया ने स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए चावल के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। उधर विश्व खाद्य कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन ने पिछले महीने कहा था कि नाइजीरिया उन छह देशों में शामिल है, जो भूख के विनाशकारी स्तर के उच्च जोखिम का सामना कर रहे हैं।

पेरिस में वामपंथी और हरित दलों के गठबंधन न्यू इकोलाजिक एंड सोशल पीपुल्स यूनियन (एनयूपीईएस) द्वारा बेलगाम गति से बढ़ती मुद्रास्फीति और पर्यावरण असंतुलन के विरोध में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

स्वीडन की संसद ने 'कंजर्वेटिव' नेता उल्फ क्रिस्टर्सन को प्रधानमंत्री चुना

स्वीडन की संसद ने सोमवार को परंपरावादी मॉडरेट पार्टी के नेता उल्फ क्रिस्टर्सन (59) का प्रधानमंत्री के रूप में चुनाव किया। वह ऐसे गठबंधन के प्रमुख होंगे जिसे कभी कट्टरपंथी दक्षिणपंथी रही पार्टी का भी समर्थन प्राप्त है। क्रिस्टर्सन 173 के मुकाबले 176 मतों से निर्वाचित हुए। उनकी सरकार के मंगलवार को कार्यभार ग्रहण करने की उम्मीद है। उनके गठबंधन में तीन दल शामिल हैं हालांकि गठबंधन के पास बहुमत नहीं है। लेकिन स्वीडन में, प्रधानमंत्री तब तक शासन कर सकते हैं जब तक कि संसद में उनके खिलाफ बहुमत नहीं हो। स्वीडन डेमोक्रेट्स के साथ करीब एक महीने हुई बातचीत के बाद, यह समझौता आकार ले सका है।

चिनफिंग ने किया आगाह~ ताइवान के लिए चीन बल प्रयोग का विकल्प नहीं छोड़ेगा

बीजिंग । (एजेंसी)।

चीन की सत्ता में रिकॉर्ड तीसरी बार एवं संभवत~ आजीवन रहने को तैयार राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने रविवार को आगाह किया कि ताइवान को मुख्य भूभाग में फिर से मिलाने के लिए चीन 'बल प्रयोग करने का विकल्प नहीं छोड़ेगा।' इतना ही नहीं, उन्होंने राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकासात्मक हितों की रक्षा के लिए देश की सेना के आधुनिकीकरण को विश्व स्तर के मानकों के अनुरूप करने का संकल्प लिया। ताइवान खुद को एक संप्रभु देश मानता है, लेकिन चीन इस स्वशासित द्वीप को अपने देश का ही एक अलग हुआ हिस्सा मानता है और चीन ने ताइवान को अपने भूभाग में मिलाने के लिए बल के संभावित इस्तेमाल से इनकार नहीं किया है।

चिनफिंग ने सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी)के प्रत्येक पांच वर्ष में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर कहा, ''हम बल प्रयोग का विकल्प नहीं छोड़ेंगे और सभी अलगाववादी आंदोलनों को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेंगे।'' ऐसी संभावना है कि चिनफिंग को छोड़कर, दूसरे नंबर के नेता एवं प्रधानमंत्री ली क्विंग सहित पार्टी के सभी शीर्ष नेताओं को कांग्रेस के दौरान बदल दिया जाएगा या उनमें फेरबदल किया जाएगा, क्योंकि चिनफिंग के नेतृत्व वाला प्रशासन 10 साल का कार्यकाल पूरा कर रहा है।

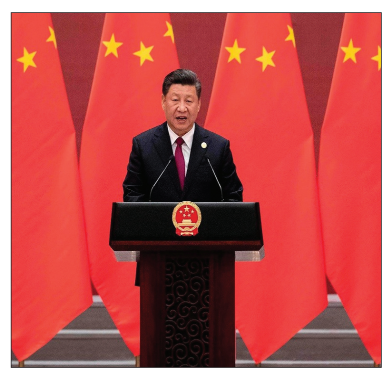

हालांकि, ऐसी उम्मीद की जा रही है कि कांग्रेस चिनफिंग के रिकॉर्ड तीसरी बार पद पर बने रहने का समर्थन करेगी, क्योंकि उन्हें पहले ही पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग के समान 'मुख्य नेता'घोषित किया जा चुका है। जिस वक्त चिनफिंग ने ताइवान को चीन के मुख्य भूभाग में विलय का संकल्प लिया, कांग्रेस में हिस्सा ले रहे 2,300 से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधि देर तक तालियां बजाते रहे। सीपीसी के महासचिव चिनफिंग ने कहा कि पार्टी को ताइवान मुद्दे को सुलझाने के लिए अपनी रणनीति पर दृढ़ रहना चाहिए और ताइवान के चीन में विलय को लेकर दृढ़ संकल्पित होना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''ताइवान का मुद्दा चीन का मामला है। यह ऐसा मामला है, जिसे चीनियों को ही सुलझाना चाहिए।'' अगस्त में अमेरिकी नेता नैन्सी पेलोसी की यात्रा के बाद चीन ने ताइवान द्वीप के इर्द-गिर्द गहन सैन्य अभ्यास किया और मिसाइलें दागीं, जिससे यह चिंता उत्पन्न हो गई थी कि चीन आक्रमण के लिए जमीन तैयार कर सकता है। चिनफिंग ने कहा कि इतिहास का पहिया चीन के पुनर्मिलन और चीनी राष्ट्र के कायाकल्प की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, ''हम जलडमरूमध्य के दोनों ओर के लोगों को चीनी संस्कृति को बढ़ावा देने और घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।'' चिनफिंग ने राष्ट्रीय रक्षा तथा सेना को और आधुनिक बनाने पर भी जोर दिया। अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान, चिनफिंग ने सेना को मजबूत करने के लिए व्यापक सुधार किए हैं। चिनफिंग ने कहा कि चीन पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना संबंध और आपसी भरोसा बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा और सेना को और आधुनिक बनाने पर जोर दिया।

चिनफिंग ने कहा कि हर मामले में एक आधुनिक समाजवादी देश बनाने के लिहाज से वर्ष 2027 में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की स्थापना के शताब्दी वर्ष के लक्ष्यों को हासिल करना और सेना को तेजी से विश्व स्तरीय बनाना एक राणनीतिक काम है। उन्होंने कहा कि सीपीसी निर्देशों का पालन कराने के लिए सेना पर अपने नियंत्रण को और मजबूत करेगी तथा पार्टी संस्थाओं और प्रणाली में सुधार करेगी ताकि अंतिम जवाबदेही केंद्रीय मिलिट्री आयोग (सीएमसी) के पास रहे।

यूक्रेन जंग को लेकर पुतिन दूसरे देशों में पड़ रहे अकेले

सिडनी (एजेंसी)।

यूक्रेन पर पुतिन के हमला करने को लेकर वे दुनिया में अकेले पड़ते दिख रहे है। युद्ध जितना लंबा चलेगा, उनके लिए देश या विदेश में किसी भी विश्वसनीयता के साथ खुद को इससे निकालना उतना ही कठिन होता जाएगा। घटते सहयोगी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक प्रस्ताव में यूक्रेन में रूस द्वारा किए गए 'जनमत संग्रह' की निंदा की गई, जिसमें पुतिन की जमकर आलोचना की गई, इस प्रस्ताव के पक्ष में 143 वोट, 35 इसका हिस्सा नहीं बने और पांच विरोध (स्वयं रूस सहित) में थे। यदि वोट को एक संकेत माना जाए, तो रूस के सिर्फ चार मित्र हैं~ उत्तर कोरिया, सीरिया, बेलारूस और निकारागुआ। और मतदान में भाग नहीं लेने वालों में चीन और भारत सहित मास्को पर प्रभाव वाले शक्तिशालीदेशों ने सार्वजनिक रूप से पुतिन के युद्ध के बारे में अपनी बेचैनी का संकेत दे दिया। मध्य पूर्व में, जहां मास्को ने गैर-हस्तक्षेप के लिए अपने अत्यधिक संदिग्ध समर्थन के इर्द-गिर्द राजनयिक दबदबा बनाने की कोशिश की है, कतर और कुवैत दोनों- दो ऊर्जा दिग्गज- ने यूक्रेन के क्षेत्र का सम्मान करने का आह्वान किया। इसके अलावा स्वतंत्र देशों के राष्ट्रमंडल के सभी सदस्यों ने जनमत में भाग नहीं लिया, जॉर्जिया और मोल्दोवा ने अपवाद के रूप में रूस की निंदा करने के पक्ष में मतदान किया, और बेलारूस ने मास्को के साथ मतदान किया। घरेलू मोर्चा घरेलू मोर्चे पर, उनकी तस्वीर एक अलग नेता की है, जिसके लिए प्रतिद्वंद्वी गुटों को काबू में रखना मुश्किल हो रहा है। रूस के शीर्ष सैन्य नेतृत्व की हालिया आलोचनाओं में रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और जनरल स्टाफ के प्रमुख वालेरी गेरासिमोव को निशाना बनाया गया है। मुख्य आलोचना वैगनर समूह (कथित रूप से एक ''निजी'' सैन्य कंपनी, लेकिन वास्तव में राज्य की एक सैन्य शाखा) के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन और रमजान कादिरोव, वर्तमान में रूस के चेचन गणराज्य के प्रमुख हैं, पर केंद्रित है। इस तरह की आलोचनाओं ने पुतिन के लिए समस्या पैदा कर दी है।

पाकिस्तान उपचुनाव में इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने जीती सबसे अधिक सीटें

मॉस्को (एजेंसी)।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान नीत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने देश में संसद और प्रांतीय विधानसभा की 11 सीटों पर हुए उपचुनाव में सबसे अधिक सीटों पर जीत दर्ज की है। उपचुनाव के लिए रविवार को मतदान हुआ और मुख्य मुकाबला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के बीच था। अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव अपनी लोकप्रियता को परखने का एक मौका था। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) के अनुसार, संसद (नेशनल असेम्बली) की आठ और पंजाब प्रांत की विधानसभा की तीन सीट पर चुनाव हुआ। चुनाव में कुल 101 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें से पंजाब में 52, सिंध में 33 और खैबर पख्तूनख्वा में 16 प्रत्याशी थे। खान ने स्वयं संसद की सात सीटों पर चुनाव लड़ा, जिसमें से छह पर उन्हें जीत मिली। कराची सीट पर पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के उम्मीदवार ने उन्हें मात दी। उनकी पार्टी को मुलतान में भी हार का सामना करना पड़ा, जहां पीटीआई ने मेहर बानो कुरैशी का समर्थन किया था। मेहर पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की बेटी हैं। संसद की छह सीट के अलावा पीटीआई ने पंजाब विधानसभा की दो सीटों पर भी जीत दर्ज की। इससे पंजाब के उनके मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही की स्थिति और मजबूत हो गई है। पीटीआई के महासचिव असद उमर ने कहा कि चुनाव के परिणाम '' नीति निर्माताओं के लिए अपनी गलती का एहसास करने और पाकिस्तान में नए सिरे से चुनाव करवाने का एक मौका है।''

ब्रिटेन के नए वित्त मंत्री ने सभी कर कटौतियों को वापस लिया

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के नए वित्त मंत्री जेरेमी हंट ने सोमवार को विवाद का विषय बनी हुई सभी कर कटौतियों को वापस लेने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने एक बयान में महंगे ऊर्जा बिल समर्थन को भी कम करने का ऐलान किया। हंट का यह बयान ब्रिटेन की राजकोषीय स्थिरता के बारे में बाजारों को आश्वस्त करने और अपने पूर्ववर्ती क्वासी क्वारटेंग द्वारा पिछले महीने पेश किए गए 'मिनी बजट' से लगे झटके को शांत करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन की वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक आयकर में एक पेंस की कटौती के फैसले को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। पूर्व वित्त मंत्री क्वारटेंग ने अपने मिनी बजट में इसे अप्रैल 2023 से लागू करने का ऐलान किया था। इसके अलावा सरकार की ऊर्जा मूल्य गारंटी केवल अप्रैल तक ही सार्वभौमिक होगी, जबकि मूल रूप से योजना दो साल के लिए थी।

हंट ने एक बयान में कहा, सरकार ने आज 'मिनी बजट' में और बदलाव करने का फैसला किया है... हमने मध्यावधि की वित्तीय योजना से पहले इनकी घोषणा करने का

फैसला किया है। उन्होंने पूर्व वित्त मंत्री की तथाकथित वृद्धि योजना में निर्धारित लगभग सभी कर उपायों को उलटने की घोषणा की, जिन्हें अभी तक संसद की मंजूरी नहीं मिली है। एक पेंस की कटौती के रद्द होने के बाद आयकर की मूल दर अनिश्चित काल के लिए 20 प्रतिशत पर बनी रहेगी। लाभांश कर में 1.25 प्रतिशत की वृद्धि, जो इस साल अप्रैल में प्रभावी हुई थी, उसमें अब कटौती नहीं होगी। इसके अलावा ब्रिटेन में गैर-ब्रिटेन आगंतुकों के लिए एक नई वैट-मुक्त खरीदारी योजना को रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा फरवरी 2023 से एक साल के लिए शराब शुल्क दरों को स्थिर करने के फैसले को भी आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। हंट ने कहा कि जरूरतमंद लोगों के लिए पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित करने के लिए ये फैसले लिए गए हैं।

उन्होंने रविवार को प्रधानमंत्री लिज ट्रस और बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर एंड्रयू बेली के साथ बैठक के बाद कुछ उपायों को तेजी से लागू करने का फैसला किया। ब्रिटेन में 31 अक्टूबर को विस्तृत मध्यावधि वित्तीय योजना पेश की जानी है। ट्रस ने गत शुक्रवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री और पार्टी में शीर्ष पद के दावेदार रहे हंट को नया वित्त मंत्री बनाया था। इसके साथ ही उन्होंने कर कटौती के प्रस्ताव को रद्द कर दिया था। इसके साथ ही उन्होंने अपने करीबी मंत्री क्वारटेंग को पद से बर्खास्त कर दिया था। पिछले महीने के अंत में कर कटौती के प्रस्ताव वाले 'मिनी बजट' के कारण अर्थव्यवस्था में आए उठा-पटक को रोकने के लिये यह कदम उठाया गया है। बोरिस जॉनसन के जुलाई में इस्तीफा देने के बाद हंट खुद शीर्ष पद की दौड़ में थे। लेकिन, कंजर्वेटिव पार्टी के पर्याप्त सदस्यों का समर्थन नहीं मिलने पर उन्होंने पूर्व वित्त मंत्री सुनक को समर्थन दिया था। उनकी नियुक्ति को ट्रस द्वारा पार्टी के भीतर मतभेद को दूर करने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है।

रुस को ताकत दिखाने सबसे बड़े युद्धाभ्यास में जुटा नाटो, रुस भी दिखाएगा अपनी ताकत

ब्रसेल्स (एजेंसी)।

यूक्रेन-रूस युद्ध और पुतिन की परमाणु धमकियों के बीच नाटो अपने सबसे बड़े युद्धाभ्यास में जुटा गया है। स्टेड फास्ट नून के नाम से शुरू हुए वार्षिक परमाणु अभ्यास में चौदह सदस्य राज्य और 60 विमान हिस्सा ले रहे हैं। यह परमाणु ड्रिल रूस के वार्षिक ग्रोम अभ्यास से ठीक पहल हो रही है, जहां मास्को अपने परमाणु-सक्षम बमवर्षकों, पनडुब्बियों और मिसाइलों का परीक्षण कर नाटो को अपना दमखम दिखाने का प्रयास करेगा।

दुनिया का काल समझे जाने वाले बी-52 बॉम्बर को भी ड्रिल का हिस्सा बनाया गया है। नाटो के अनुसार स्टीडफास्ट नून में यूएस एयर फोर्स के बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस रणनीतिक बमवर्षक नॉर्थ डकोटा के मिनोट एयर बेस से दुश्मनों के दिलों को दहलाने के लिए लंबी उड़ान भरने वाले हैं। वहीं बेल्जियम के क्लेन ब्रोगेल एयर बेस से एडवांस एफ-16 विनाशकारी मिसाइल से लेस होकर ड्रिल का हिस्सा बना है। हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमले के लिए भी इसी सीरीज के बॉम्बर बी-29 को इस्तेमाल किया गया था। इन परमाणु हमलों में करीब 3 लाख 50 हजार लोग मारे गए थे।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के सात देशों के पास कुल 12700 नुक्लियर वारहेड्स मौजूद हैं। इनमें से दो देशों अमेरिका और रूस 90 प्रतिशत से अधिक परमाणु बम अपने पास रखते हैं। अगर अमेरिका के साथ नाटो के सभी देशों को मिला लें, तब यह संख्या 5943 बनती है, जो पूरी दुनिया को कई बार तबाह करने के लिए पर्याप्त है।

विश्लेषकों का कहना है कि नाटो न्यूक्लियर जंग की स्थिति में संभावित रूप से एक या अधिक तकनीकी या युद्धक्षेत्र परमाणु बम तैनात कर सकता है। तकनीकी परमाणु छोटे हथियार होते हैं, जिनमें 0.3 किलोटन से लेकर 100 किलोटन तक की विस्फोटक शक्ति होती है। तुलना के लिए, 1945 में अमेरिका द्वारा जापान के हिरोशिमा पर जो परमाणु बम गिराया गया था वहां महज 15 किलोटन का था। हमले में एक लाख 35 हजार लोग मारे गए थे, वहीं आज भी कई तरह की गंभीर बीमारियों की चपेट में लोग आ रहे हैं।

इसके बाद अगर नाटो हिरोशिमा परमाणु हमले के मुकाबले 6 गुना अधिक ताकतवर परमाणु हमला करेगा, तब एक झटके में रूस की एक बड़ी आबादी तबाह होगी है। तकनीकी वेपन की जगह स्ट्रेटेजिक नुक्लियर वेपन अधिक विनाशकारी साबित हो सकता है, जिसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ना तय है। हालांकि यूक्रेन युद्ध में नाटो के स्ट्रेटेजिक परमाणु हमला करने की संभावना न के बराबर ही है। अगर नाटो के सभी देशों के परमाणु हथियारों को मिला लिया जाए, तब भी वह रूस की बराबरी नहीं कर सकते हैं। इसके बाद रूस अपने शक्तिशाली टुपोलेव टीयू-160 का इस्तेमाल कर नाटो के सभी देशों का वजूद मिटा सकता है। विश्व भर में रूस के पास सबसे अधिक 5977 परमाणु बम उसके सैन्य ठिकानों में मौजूद हैं। इतने परमाणु बमों की मदद से पुतिन सैकड़ों बार पृथ्वी को तबाह कर सकते हैं। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स के अनुसार इन वारहेड में से अकेले 1100 से अधिक इंटर कॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल हैं, जो रूस से बैठे ही दुनिया के हर कोने तक भेजी जा सकती हैं। साथ ही यूक्रेन को समुद्र से भी एक के बाद एक परमाणु हमले देखने को मिल सकते हैं। रूसी नौसेना ने सबमरीन से परमाणु हमले करने के लिए अपने बेड़े में 800 बैलिस्टिक मिसाइल को सजा रखा है। इसके बाद अगर नाटो और रूस में परमाणु बम होता है ये तो न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी साबित होगा और तीसरे विश्व युद्ध की ओर दुनिया को धकेल देगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कश्मीर में टारगेट किलिंग के खिलाफ सड़कों पर उतरे आम लोग, हुर्रियत दफ्तर के बाहर तोड़फोड़, लिखा- इंडिया

नई दिल्ली । जम्मू कश्मीर में आम लोगों को टारगेट किलिंग के जरिए आतंकवादी अपना निशाना बना रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को कश्मीरी पंडित पूरन कृष्ण भट्ट की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद से जम्मू कश्मीर में जबरदस्त विरोध चल रहा है। आम लोग सड़कों पर हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, हुर्रियत कार्यालय में भी आम लोगों के द्वारा तोड़फोड़ की गई है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में कश्मीरी मुसलमान भी शामिल हैं। हुर्रियत कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के बाद आम लोगों ने गेट पर इंडिया लिखा। आपको बता दें कि हुर्रियत 2017 से एक निष्क्रिय संगठन बन गया है। हुर्रियत के नेताओं के खिलाफ भी लगातार कार्रवाई की जा रही है। विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों का साफ तौर पर कहना है कि घाटी में आए दिन निर्दोष लोगों का खून बह रहा है। हम कब तक चुप रहेंगे। आम लोगों ने यह भी कहा कि पूरन कृष्ण भट्ट हमारे परिवार का है। हुर्रियत के बच्चे तो विदेशों में पढ़ रहे हैं। लेकिन आम कश्मीरी के बच्चे मार दिए जा रहे हैं। कश्मीरी लोगों का यह भी कहना है कि हुर्रियत के नेताओं को टारगेट किलिंग के खिलाफ बोलना चाहिए। वह चुप बैठे हैं। आम लोगों ने सवाल उठाया कि क्या हुर्रियत की सोच रखने वाले टारगेट किलिंग के जिम्मेदार नहीं है? गुस्साए लोगों ने इस जबरदस्त तरीके से हुर्रियत कांफ्रेंस के कार्यालय के बाहर नारे लगाए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बोर्ड को उखाड़ फेंका। साथ ही कार्यालय पर इंडिया भी लिख दिया।

बिहार में परीक्षा के दौरान हिजाब को लेकर विवाद, पुरुष शिक्षक पर लगाया आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर शहर की एक छात्रा ने रविवार को आरोप लगाया कि एक कॉलेज में परीक्षा के दौरान पुरुष शिक्षक ने उस पर आपत्तिजनक टिप्पणी की, क्योंकि उसने इम्तिहान के दौरान हिजाब हटाने से इनकार कर दिया था। यह घटना महंत दर्शन दास महिला कॉलेज (एमडीडीएम) में हुई जो शहर के मिठनपुरा इलाके में स्थित है, जहां इंटरमीडिएट के विद्यार्थी 'जांच परीक्षा' के लिए आए थे। जो विद्यार्थी 'जांच परीक्षा' में सफल होते हैं, वे ही अंतिम इम्तिहान में बैठने के योग्य होते हैं। कॉलेज की प्रधानाचार्यडॉ के. प्रिया ने कहा कि छात्रा को हिजाब पहनने से नहीं रोका गया था। उसे केवल अपने कान दिखाने के लिए कहा गया था क्योंकि आशंका थी कि उनके पास ब्लूटूथ उपकरण हो सकता है। स्थानीय मिठनपुरा थाने के प्रभारी (एसएचओ) श्रीकांत सिन्हा ने कहा कि विवाद तब हुआ जब परीक्षा शुरू हुई ही थी। एसएचओ ने कहा कि हमने दोनों पक्षों की काउंसलिंग की और परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। फिलहाल मामला दर्ज करने या इलाके में अतिरिक्त बलतैनात करने की जरूरत नहीं है। लेकिन हम स्थिति पर नजर रखेंगे। प्रधानाचार्य ने कहा कि हिजाब कोई मसला नहीं था। कई विद्यार्थी मोबाइल फोन लेकर आए थे, जो नियमों के खिलाफ था। यह लड़की उन विद्यार्थियों में थी, जिनसेपरीक्षा हॉल के बाहर अपने मोबाइल रखकर आने को कहा गया था। प्रिया ने कहा कि छात्रा से सिर्फ कान दिखाने के लिए कहा गया था, क्योंकि एक शिक्षक को सिर्फ इसकी जांच करनी थी कि क्या उनके पास ब्लूटूथ उपकरण है या नहीं। प्रधानाचार्य ने आरोप लगाया कि अगर लड़की को इससे कोई परेशानी थी तो वह परीक्षा नियंत्रक या मुझे सूचित कर सकती थी। लेकिन उसके इरादे कुछ और थे। उसने स्थानीय थाने और कुछ स्थानीय असामाजिक तत्वों को फोन कर दिया। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें वह जानती थी। वे पहुंचे तो लड़की ने हंगामा किया। प्रिया ने कहा कि छात्रा ने दावा किया कि शिक्षक ने उसे राष्ट्र विरोधी कहा था और उसे पाकिस्तान जाने के लिए कहा। मैं उस समय परीक्षा हॉल में नहीं थी, लेकिन परीक्षा देने आई अन्य लड़कियों ने कहा है कि यह झूठ है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में, न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस रहा

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम वैज्ञानिकों ने दिन में आमतौर पर आसमान साफ रहने और अधिकतम तापमान के 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान लगाया है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, सुबह साढ़े नौ बजे हवा में आर्द्रता का स्तर 96 प्रतिशत रहा। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सोमवार सुबह वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में रही। सुबह नौ बजकर पांच मिनट पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 241 दर्ज किया गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' तथा 401 से 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली में रविवार को अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.6 डिग्री सेल्सियस और 19.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

जानकी मंदिर आश्रम में एक साध्वी को नशीला पदार्थ पिलाकर साधकों ने किया गैंगरेप

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर जानकी मंदिर आश्रम में अनैतिक खबर ने लोगों को शर्मसार कर दिया। यहां रह रही एक साध्वी को नशीला पदार्थ खिलाकर चार साधकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसे प्रताड़ित किया गया और जान से मारने की धमकी दी गई। यह आरोप लगाते हुये साध्वी ने गोमतनगर थाने में चारों साधकों के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज करायी है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आश्रम के महंत से शिकायत करने पर उन्होंने आरोपितों का ही पक्ष लिया और कहा कि यहां रहना है तो यह सब सहना पड़ेगा। एडीसीपी पूर्वी का कहना है कि साध्वी के आरोपों की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आरोपितों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जायेगी। मूल रूप से प्रयागराज के करछना की रहने वाली साध्वी ने पुलिस को बताया कि वह पहले मथुरा के रुकमणि बिहार आश्रम में रहती थी। एक साल पहले वह प्रयागराज में माघ मेले में गई थी। यही पर एक साधिका से मुलाकात हुई थी। इस साधिका ने उसे बताया था कि वह गोमतीनगर स्थित जानकी मन्दिर से आई है। मेला खत्म होने तक दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई थी। सावन में यह साधिका वृंदावन स्थित रुकमणि बहार आश्रम में आई थी। यहां 20 दिन वह साध्वी के साथ रही थी। इसी दौरान साधिका ने उसे बताया था कि जानकी मन्दिर आश्रम के महंत हनुमान दास ने उसे अपने आश्रम में बुलाया है। उसके कई बार कहने पर वह लखनऊ इस आश्रम में आकर रहने लगी थी। चार अक्टूबर को यह साधिका भाई की तबीयत खराब होने की बात कहकर वाराणसी चली गई थी। पीड़िता का आरोप है कि साधिका के वाराणसी जाने के बाद चार अक्टूबर को ही साधक दुर्वासा ने खाने में नशीला पदार्थ दे दिया था। आरोप है कि उसके बेसुध होने पर दुर्वासा के साथ छोटे मौनी, बड़े मौनी और मनमोहन दास ने दुराचार किया। देर रात होश में आने पर उसने खुद को निर्वस्त्र पाया। वहीं चारों आरोपित भी खड़े थे। उसने शोर मचाने की कोशिश की तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसने महंत हनुमान दास से इन चारों की शिकायत की तो उसकी नहीं सुनी गई। महंत ने आरोपितों का बचाव किया और कहा कि यहां रहना है तो सब सहना पड़ेगा। आरोपियों ने साध्वी को धमकी दी थी कि शिकायत करने पर हत्या करवा दी जाएगी।

बंगाल की खाड़ी में फिर बन रहा चक्रवात, कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना

- दिल्ली पंजाब हरियाणा उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश बिहार और गुजरात का मौसम शुष्क रहेगा

नई दिल्ली । दक्षिणी-पश्चिमी मानसून के लौटने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है और यह कई राज्यों से अगले हफ्ते तक वापसी कर लेगी। मौसम विभाग के मुताबिक इस वक्त मानसून की रेखा बिहार के रक्सौल, झारखंड के डाल्टेनगंज, मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा, महाराष्ट्र के जलगांव से होकर गुजर रही है। सोमवार को कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना है। दक्षिण के कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में अगले 3 दिन तक भारी बारिश के आसार है। मौसम विभाग ने 17 अक्टूबर 2022 को देश के 8 राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र के प्रभाव से उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप में तेज बारिश हो सकती है। महाराष्ट्र के भी कई भागों में बारिश संभव है। पहाड़ों पर 19 अक्टूबर से बात शुरू हो सकता है। दिल्ली पंजाब हरियाणा उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश बिहार और गुजरात का मौसम शुष्क रहेगा। मौसम केंद्र चंडीगढ़ के अनुसार 18 अक्टूबर से पंजाब में फिर से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। यह हिमालय रीजन के ऊपर है और इससे पंजाब के कई जिलों में बादल छाए रहने, गरज के साथ छींटे पड़ने, बूंदाबांदी या हल्की वर्षा की संभावना है। यह पश्चिमी विक्षोभ 20 अक्टूबर तक सक्रिय रह सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आबादी से दूर पटाखों की दुकानें बनाई जाएं

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के लिए पटाखों की दुकानें आबादी से दूर लगाने की हिदायत देते हुए रविवार को कहा कि पर्यावरण और स्वास्थ्य की दृष्टि से अतिसंवेदनशील पटाखों की खरीद-फरोख्त को हतोत्साहित किया जाए। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, क्षेत्रीय तथा परिक्षेत्रीय एवं जिला पुलिस प्रमुखों तथा नगर निकायों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर आगामी दीपावली एवं छठ पूजा पर्व के सुचारू आयोजन के संबंध में जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

आदित्यनाथ ने दुधारू पशुओं में लम्पी वायरस के संक्रमण को देखते हुए इस वर्ष बलिया में ददरी मेले के आयोजन को स्थगित करने के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे दीपावली के लिए पटाखों की दुकानों और गोदामों का आबादी से दूर होना सुनिश्चित कराएं। साथ ही पटाखों की खरीद बिक्री वाले स्थानों पर अग्निशमन के पर्याप्त बंदोबस्त किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पर्व शांति और सौहार्द के बीच सम्पन्न हो, इसके लिए स्थानीय जरूरतों को देखते हुए सभी जरूरी प्रयास किए जाएं।

उन्होंने कहा कि शरारतपूर्ण बयान जारी करने वालों के साथ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति से निपटें। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लापरवाही के कारण छोटी सी घटना बड़े विवाद का रूप ले सकती है, ऐसे में अतिरिक्त सतर्कता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की सूचना पर बिना विलंब जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान जैसे वरिष्ठ अधिकारी खुद मौके पर पहुंचें। मुख्यमंत्री ने त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ भी कठोरतम कार्यवाही के निर्देश दिए।

अनुराग ठाकुर ने कहा- गुजरात में बीजेपी की भारी लहर, इस बार पार्टी तोड़ देगी सारे रिकॉर्ड

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि गुजरात में 'भाजपा की भारी लहर' है और इस बार पार्टी पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ देगी तथा राज्य में एक बार फिर सरकार बनाएगी। ठाकुर ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार 400 से अधिक संसदीय सीटें जीतकर ''2024 में सत्ता में वापस आएगी।'' गुजरात के वलसाड जिले के मालवन गांव में भाजपा की 'गौरव यात्रा' को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में हिंदू प्रतीकों का सम्मान किया गया और अयोध्या में राम मंदिर एक वास्तविकता बन गया। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पहले एक ''इतालवी महिला'' प्रधानमंत्री का ''अपमान'' करती थी अब ''एक इटालिया उनकी मां का अपमान कर रहा है।'' हालांकि ठाकुर ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके निशाने पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी थीं, जिनका जन्म इटली में हुआ था और आप की गुजरात इकाई के प्रमुख गोपाल इटालिया थे। केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्री ने कहा, ''पहले एक इतालवी महिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान करती थी, अब एक इटालिया उनकी मां का अपमान कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि गुजरात ने कभी इस ''अपमान'' को स्वीकार नहीं किया और अब भी इसे स्वीकार नहीं करेगा। ठाकुर ने कहा, ''गुजरात, मुंहतोड़ जवाब देगा।'' रविवार को ठाकुर ने डिजिटल बैंकिंग इकाइयों की शुरूआत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की और कहा कि यह आम जनता के लिए बैंकिंग की प्रक्रिया को और आसान बनाएगी।

गुलाम नबी बोले- जम्मू-कश्मीर को वापस मिलेगा पूर्ण राज्य का दर्जा

-कठुआ में अपने तीन मुद्दों पर डाला प्रकाश

जमू (एजेंसी)।

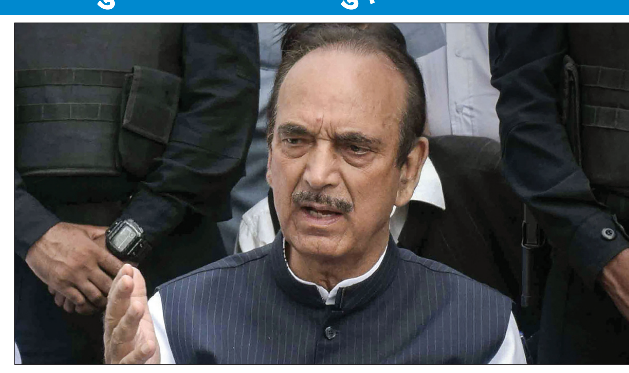

दिग्गज कश्मीरी नेता और डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के मुखिया गुलाम नबी आजाद ने सूबे में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को दोहराया। कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सांसद और डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने कठुआ में एक जनसभा को संबोधित किया और अपने संगठन के तीन मुख्य एजेंडा की घोषणा भी की। आजाद ने एक सार्वजनिक रैली में कहा, ÷हमारे पास तीन मुख्य एजेंडा हैं, पहला राज्य का दर्जा बहाल कराना, दूसरा केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए जमीन खरीदने के अधिकार को सुरक्षित रखना और तीसरा केवल स्थानीय युवाओं के लिए नौकरियों के अधिकार को आरक्षित करना। यह कहते हुए कि आजाद ने कहा कि जब तक ये एजेंडा पूरा नहीं हो जाता, हम पीछे नहीं हटेंगे।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने घोषणा की कि उनके नए राजनीतिक संगठन का नाम 'डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी' रखा जाएगा। यह घटनाक्रम आजाद के कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने के ठीक एक महीने बाद आया है। आजाद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में नई पार्टी के नाम की घोषणा करते हुए कहा कि यह संगठन धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और किसी भी प्रभाव से स्वतंत्र होगा। आजाद ने डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के झंडे का भी अनावरण किया। ध्वज के तीन रंग हैं- सफेद, पीला और गहरा नीला है। इससे पहले, आजाद ने कांग्रेस छोड़ने के बाद जम्मू में अपनी पहली जनसभा में अपने स्वयं के राजनीतिक संगठन को शुरू करने की घोषणा की थी जो पूर्ण राज्य की बहाली पर ध्यान केंद्रित करेगा।

पीएम मोदी 19 अक्टूबर से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर, राजकोट और जूनागढ़ में कार्यक्रम

अहमदाबाद । गुजरात चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। 19 अक्टूबर से दो दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी राजकोट, जूनागढ़, गांधीनगर और केवडिया में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी कई विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी 19 अक्टूबर को अहमदाबाद एयरपोर्ट पर आएंगे। जहां से गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर जाएंगे। महात्मा मंदिर में पीएम मोदी डिफेन्स एक्स्पो का शुभारंभ कराएंगे। जिसके बाद अडालज के त्रिमंदिर जाएंगे और मिशन स्कूल ऑफ एक्सेलन्स के तहत आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। यहां से पीएम मोदी अहमदाबाद एयरपोर्ट जाएंगे और राजकोट पहुंचेंगे। राजकोट से वे जूनागढ़ जाएंगे, जहां विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। जूनागढ़ में पीएम मोदी एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। जूनागढ़ से राजकोट लौटने के बाद पीएम मोदी एयरपोर्ट से रेषकोर्ष मैदान तक सवा किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे। राजकोट के रेसकोर्ष मैदान में पीएम मोदी विराट सभा को संबोधित करेंगे।

हिमाचल विस चुनाव- भाजपा कोर ग्रुप की दिल्ली में बैठक, प्रत्याशियों के नामों पर हुआ मंथन

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

पहाड़ी प्रदेश हिमाचल विधानसभा चुनावों के ऐलान के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सूबे में एक बार फिर विजय पताका फहराने की रणनिति बनाना शुरू कर दिया है। उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने का काम शुरु कर दिया है। इसी कड़ी में राजधानी दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में भाजपा की हिमाचल इकाई की कोर समूह की सोमवार को एक बैठक हुई। इस बैठक में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, हिमाचल प्रदेश के चुनाव प्रभारी सौदान सिंह व सह-प्रभारी देवेंद्र सिंह राणा, हिमाचल प्रभारी प्रदेश अविनाश राय खन्ना, सह-प्रभारी संजय टंडन और प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप सहित कुछ अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस बैठक में प्रदेश चुनाव समिति की ओर से तय किए गए उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि आज शाम इन सभी नेताओं की भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ एक बैठक हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हो सकती है, जिसमें उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। मतगणना आठ दिसंबर को होगी। राज्य विधानसभा में, भाजपा के अभी 43 जबकि कांग्रेस के 22 सदस्य हैं। सदन में दो निर्दलीय सदस्य और माकपा का एक सदस्य है। राज्य में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना है। आम आदमी पार्टी (आप) भी यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए प्रयासरत है। चुनाव की अधिसूचना आज जारी की जाएगी और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर है। कांग्रेस सोमवार को अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती है।

राज ठाकरे और पवार की अपील का दिखेगा असर, भाजपा वापस लेगी अपना प्रत्याशी

अंधेरी पूर्व विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए

मुंबई (एजेंसी)।

शिवसेना में फूट के बाद पहली बार हो रहा अंधेरी पूर्व विधानसभा का चुनावी मुकाबला उद्धव ठाकरे गुट के पक्ष में जा सकता है। बीते कई दिनों में इस चुनाव को लेकर बड़े उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं और अब चर्चा है कि भाजपा की ओर से उम्मीदवार का नाम ही वापस लिया जा सकता है। ऐसा होने पर उद्धव गुट की उम्मीदवार रुतुजा लटके निर्विरोध ही विधायक चुनी जाएंगी। इस तरह पार्टी में विभाजन के बाद उद्धव गुट को पहली जीत मिल सकती है, जो उसके लिए बड़ा बूस्ट होगा। बता दें कि मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस को चिट्ठी लिखकर सलाह दी थी कि भाजपा को अंधूरी पूर्व सीट से उम्मीदवार वापस ले लेना चाहिए।

एनसीपी के मुखिया शरद पवार ने भी भाजपा नेतृत्व से उम्मीदवार वापस लिए जाने की अपील की थी। अब एकनाथ शिंदे गुट के विधायक प्रताप सरनाईक ने भी ऐसी ही अपील की है। उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि वे भाजपा से कहें कि उम्मीदवार वापस ले लिया जाए। शिंदे गुट का कहना है कि रुतुजा लटके के दिवंगत पति रमेश लटके के प्रति सम्मान जाहिर करते हुए उम्मीदवार वापस लेना चाहिए। इस सीट पर 3 नवंबर को चुनाव होना है। भाजपा की ओर से मुरजी पटेल को इस सीट से कैंडिडेट बनाया गया है। सरनाईक ने कहा कि महाराष्ट्र में यह प्रचलन रहा है कि जब किसी नेता की मौत होती है, तब उसके परिजनों के चुनाव में उतरने पर उसका निर्विरोध चयन होता रहा है। यही नहीं उम्मीदवारी वापस लेने की अपीलों के बीच भाजपा ने भी कदम पीछे हटाने के संकेत दिए हैं।फडणवीस का कहना है कि पार्टी में सलाह-मशविरे के बाद इस पर फैसला होगा। हालांकि पार्टी मसले पर बांटी हुई दिख रही है। एक तरफ फडणवीस ने ठाकरे की अपील पर विचार करने की बात कही है,तब वहीं एक वर्ग मानता है कि चुनाव होना चाहिए। फडणवीस ने कहा, 'अपनी पार्टी में फैसले लेने वाला मैं अकेला नहीं हूं। मैं इस मसले पर अपने साथियों और हाईकमान से विचार करूंगा। हमारी ओर से पहले ही मुरजी पटेल के नाम का ऐलान किया जा चुका है।हालांकि उन्होंने नाम वापस लेने का संकेत देते हुए कहा कि हम लोग पहले भी इस तरह के फैसले ले चुके हैं।

सिख समुदाय ने शिंदे वाली पार्टी के चुनाव चिह्न पर आपत्ति जताई

मुंबई । इस बार सिख समुदाय के नेताओं ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे वाली पार्टी के चुनाव चिह्न पर आपत्ति जताई है। शिंदे की पार्टी का चुनाव चिह्न दो तलवार और ढाल है। इस पर समुदाय के लोगों का कहना है कि यह खालसा पंथ का धार्मिक प्रतीक है। दूसरी ओर इससे पहले समता पार्टी उद्धव ठाकरे की पार्टी के चुनाव चिह्न मशाल पर सवाल उठा चुकी है। गुरुद्वारा सचखंड बोर्ड नांदेड़ के पूर्व सचिव रंजीतसिंह कामथेकर और एक स्थानीय कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग (ईसी) को पत्र लिखकर एकनाथ शिंदे की पार्टी के लिए चुनाव चिह्न की अनुमति नहीं देने के लिए कहा है।

आईबी की रिपोर्ट में गुजरात में आप की सरकार बन रही है: अरविंद केजरीवाल

भावनगर (एजेंसी)।

नई दिल्ली आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के भावनगर में कहा कि आपके लिए खुशखबरी लाया हूं, आईबी की रिपोर्ट आई है, रिपोर्ट यह है कि गुजरात मे आप की सरकार बन रही है। लेकिन यह जीत किनारे पर है, अभी 92-93 सीटें आ रही हैं, 150 सीटें आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि, 'आठ दिसंबर को वोटों की गिनती होगी, 15 दिसंबर को आप की सरकार बन जाएगी। 31 दिसंबर तक सभी तरह के आंदोलन, और कर्मचारियों पर जो उन्होंने (बीजेपी) केस किए हैं वह सब केस वापस ले लिए जाएंगे। सरकार बनते ही यह सबसे पहला काम होगा। दूसरा काम यह करेंगे कि गुजरात में भ्रष्टाचार खत्म करेंगे। गुजरात में इतना भ्रष्टाचार है कि बजट घाटे में चल रहा है। 2.5 लाख करोड़ रुपये का हर साल का गुजरात का बजट है। अरबों खरबों रुपये इनके आपके पास हैं, लेकिन यह बताओ क्या आपके इलाके में सड़क बनी, स्कूल बना या अस्पताल बना? कॉलेज बना? कहां गया सारा पैसा? यह लोग खा गए। हमारी सरकार बनेगी तो सारा पैसा इनके गले में हाथ डालकर निकाल लाएंगे।'

केजरीवाल ने कहा कि, 'पहली बार गुजरात को भ्रष्टाचार मुक्त शासन मिलेगा। कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार करेगा तो सीधा जेल जाएगा। भगवंत मान साहब ने हाल में एक मंत्री को पकड़वा दिया और जेल में डाल दिया। 15 दिसंबर के बाद आपके काम बिना रिश्वत के होंगे। हमने दिल्ली में करके दिखाया है।' उन्होंने कहा कि, 'दिल्ली में बिजली का बिल जीरो आता है। पंजाब में भी जीरो आता है। अब गुजरात में भी एक मार्च से बिजली का बिल जीरो आएगा। बकाया बिजली बिल भी माफ किया जाएगा। ये लोग मुझे गाली देते हैं कि केजरीवाल फ्री दे रहा है। गरीब लोगों को महंगाई के दौर में कुछ राहत दे दी तो कौन सा गुनाह कर दिया? मुख्यमंत्री को, मंत्री को मुफ्त बिजली मिलती है तो ऐसे में जनता को मुफ्त दे दी तो क्यों मिर्ची लग रही है?'

केजरीवाल ने कहा कि, '18 साल से ऊपर की हर महिला के लिए हर महीने 1000 रुपये उनके बैंक अकाउंट में डाला करेंगे।' केजरीवाल ने गुजराती में कहा- 'अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है, आपका भाई आ गया है।'

दिल्ली के सीएम ने कहा कि, 'जैसे दिल्ली में शानदार स्कूल बनाए हैं वैसे ही पूरे गुजरात में शानदार स्कूल बनाएंगे। दिल्ली में शानदार अस्पताल बना दिए, शानदार मोहल्ला क्लीनिक बना दिए। गुजरात में भी ऐसा ही करेंगे और इलाज मुफ्त करेंगे। गुजरात में 20,000 मोहल्ला क्लीनिक बनाने हैं। 6.5 करोड़ गुजरातियों का इलाज पूरा मुफ्त होगा।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पार्षद के अवैध दबाव को दूर करने गए अधिकारियों से की बदसलूकी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के बमरोली इलाके में शांतिवन के पास पार्षद द्वारा एक रिजर्व प्लॉट पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था। सूचना मिलते ही नगर निगम अधिकारियों की टीम दबाव कम करने पहुंची। इस दौरान पार्षद ने सार्वजनिक तौर पर अधिकारियों को गालियां दीं।

भाजपा पार्षद का भाषण वाणी विलास वार्ड नंबर 29 के भाजपा पार्षद बंशु यादव द्वारा अधिकारियों को दी गई अभद्र भाषा वास्तव में बहुत निंदनीय है। लक्खा टपोरी जैसी जुबान में जनप्रतिनिधियों द्वारा अधिकारियों और लोगों के बीच तीखा हमला किया गया। बमरोली क्षेत्र में रिजर्व प्लॉट पर अवैध रूप से धक्के खाने के बाद भी उन्होंने खुद अधिकारियों का सामना किया। जब उन्हें पता चला कि दबाव उठाया जा रहा है, तो वह अपनी मोटरसाइकिल पर आए और अधिकारियों को धमकाने लगे। वार्ड नंबर 29 में बंशु यादव द्वारा दो खुले भूखंडों पर कई अन्य शिकायतें की गईं। एक बात तो यह है कि अवैध जनप्रतिनिधि होने के बावजूद भाजपा पार्षद इतने निर्दयी हो गए हैं कि उन्हें किसी भी अवैध गतिविधि से कोई गुरेज नहीं है। रिजर्व प्लॉटों पर जबरदस्ती करने के बाद भी उनमें कुछ

भी गलत नहीं करने और अधिकारियों पर सार्वजनिक रूप से दबाव बनाने के दृश्य हैं। उनके वार्ड में अवैध निर्माण को लेकर लगातार उनकी चर्चा हो रही है. पूर्व में भी यह बात सामने आई थी कि वे अवैध दबाव को लेकर आपस में भिड़ गए थे।

अधिकारियों को नहीं किया गुमराह : पार्षद बंशु यादव ने कहा, मुझे नहीं पता था कि मेरे दो प्लॉट रिजर्वेशन में हैं और मेरे द्वारा कोई अवैध जबरदस्ती नहीं की गई है. मैं एक शिक्षित स्नातक हूं। मैं अधिकारियों का अपमान कभी नहीं कर सकता। किसी ने झूठ फैलाया है। मैं इकट्ठे लोगों से भी बात कर रहा था। मैंने अधिकारियों का सहयोग किया है।

चुनाव से पहले बीटीपी को बड़ा झटका, 200 से अधिक कार्यकर्ता हुए भाजपा में शामिल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नर्मदा,गुजरात विधानसभा के चुनाव से पहले भारतीय ट्रायबल पार्टी (बीटीपी) को बड़ा झटका लगा है। बीटीपी के 200 से अधिक कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए। बीटीपी के कार्यकर्ता उस समय भाजपा में शामिल हुए जब भगवान बिरसामुंदा गुजरात गौरव यात्रा डेडियापाडा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में पहुंची। डेडियापाडा में 182 ढोल नगारों के साथ लोगों ने सड़कों पर आकर भाजपा की गौरव यात्रा का शानदार स्वागत किया। इस मौके पर सांसद मनसुख वसावा ने कहा कि मुझे 6-6 टर्म से क्षेत्र के लोग चुनाव जिता रहे हैं, लेकिन विधानसभा में हरेक चुनाव में अलग अलग उम्मीदवारों को चुनते हैं। जबकि केन्द्र और राज्य सरकार ने आदिवासी क्षेत्र का काफी विकास किया है। इस कार्यक्रम के दौरान डेडियापाडा तहसील बीटीपी के 200 से अधिक अपनी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। बीटीपी से आए सभी कार्यकर्ताओं को मनसुख वसावा और राज्य के पूर्व मंत्री गणपत वसावा ने भगवा पटका पहनाकर भाजपा में स्वागत किया। भाजपा की इस गौरव यात्रा में केन्द्रीय मंत्री रेणुकादेवी, भरूच के सांसद मनसुख वसावा, सांसद जशवंतसिंह भाभोर, जिला प्रमुख घनश्याम पटेल, महासचिव नील राव, पूर्व मंत्री मोतीलाल वसावा, पूर्व विधायक हर्षद वसावा, जिला प्रमुख पर्युषा वसावा और शंकर वसावा समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

राजनाथ सिंह ने कहा भारत को कोई सुनता नहीं था, आज वैश्विक मंच सुनने को आतुर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने आज कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि पहले भारत को कोई सुनता नहीं था। आज परिस्थिति बदल गई है और वैश्विक मंच से भारत को सुनने को हर कोई उत्सुक है। गांधीनगर की रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को महाशक्ति के रूप में दुनिया के सक्षम पेश करना हमारा सपना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सराहनीय काम किया है। उन्होंने नाम लिए बगैर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि सुधरी है। पहले अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत कुछ बोलता था तब कोई उसे गंभीरता से नहीं सुनता था। लेकिन आज भारत की छवि सुधरी है और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत जब बोलता है तो हर कोई उसे सुनना चाहता

है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद खिलाफ आज भारत नेतृत्व कर रहा है और इसका श्रेय पीएम मोदी को जाता है। पड़ौसी देश पाकिस्तान का नाम लिए बगैर राजनाथसिंह ने कहा कि आतंकवाद को अपना हथियार समझने वाले आज समझ गए हैं कि भारत ऐसा देश हो अकारण किसी को छेड़ता नहीं है। अगर कोई भारत को छेड़ना का प्रयास करता है तो उसे छोड़ता भी नहीं है। गुजरात दौरे पर राजनाथसिंह ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 20 के कामकाज पर लिखी पुस्तक मोदी@ 20 पुस्तक का विमोचन भी किया। इस पुस्तक में मोदी ने जो सपने देखे थे उसका वर्णन किया गया है। पुस्तक की प्रस्तावना देश की स्वर कोकिला स्व. लता मंगेश्कर ने लिखी है। पुस्तक में गुजरात और भारत को 'कल्याण राज्य' बनाने की दिशा मं प्रधानमंत्री ने जो कार्य शुरू किया है, उसके तार्किक ब्यौरे के साथ रोचक वर्णन किया गया है। इस मौके राजनाथ सिंह के अलावा गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री एल मुरगन समेत महानुभाव मौजूद रहे।

आयुष्मान कार्ड 5 लाख रुपये का एटीएम है जो हर साल मुफ्त इलाज का लाभ देता रहेगा : मोदी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से गुजरात में पीएमजेएवाई-एमए योजना आयुष्मान कार्ड के वितरण की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पीएमजेएवाई-एमए योजना आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों से भी बातचीत की। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के बारे में इतना बड़ा आयोजन धनतेरस और दिवाली से ठीक

पहले हो रहा है। उन्होंने इसे एक संयोग बताया कि धनतेरस निकट है और इस अवसर पर भगवान धन्वंतरि की पूजा की जाती है, जिन्हें आयुर्वेद का जन्मदाता माना जाता है। शास्त्रों का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री ने "आरोग्यं परम भाग्यम" मंत्र का जाप किया और प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात के लाखों लोगों को आरोग्य धन देने के लिए इतने बड़े पैमाने पर आयोजन हो रहा है। 'सर्वे संतु निरामय' यानी सभी लोगों के रोगों से मुक्त होने की कामना करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान योजना का उद्देश्य सभी के लिए स्वास्थ्य है। प्रधानमंत्री ने राज्य में लोगों को 50 लाख कार्ड बांटने के अभियान की व्यापकता की सराहना की। यह गुजरात सरकार की संवेदनशीलता का प्रमाण है। श्री मोदी ने कहा, "हम दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्य बीमा के बारे में सुनते आ रहे हैं लेकिन भारत इससे आगे बढ़कर, बेहतर स्वास्थ्य का आश्वासन दे रहा रहा है।" प्रधानमंत्री ने बदली हुई राजनीतिक सोच और कार्य संस्कृति पर भी प्रकाश डाला। पहले की सरकारों में आम आदमी के हित की योजनाएं महज औपचारिकता बनकर रह गई थीं। इन योजनाओं पर जो पैसा खर्च किया गया वह एक खास क्षेत्र और राजनीतिक हितों को ध्यान में रखकर किया गया। उन्होंने कहा, "इस स्थिति को बदलना आवश्यक था और हमने इस बदलाव का बीड़ा उठाया। आज जब योजना बनाई जाती है, तो हम सबसे पहले आम नागरिकों की स्थिति का अध्ययन करते

मक्का बेचने वाली एक महिला ने 11 साल की बच्ची को बचाया और डुमस की झाड़ियों में दुष्कर्म की कोशिश की।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

एक मक्का विक्रेता के समय की बदौलत डुमस चोपती गोल्डन बीच पर ११ साल की बच्ची बलात्कार से बच गई। एक इस्मा ने वेसु के एक नेपाली दंपति की ११ वर्षीय बेटी को रात के खाने के लिए एक होटल में ले जाने का लालच दिया और उसे बाइक पर डुमस ले गया। उन्होंने दौड़ती बाइक पर अपडेट भी किया। एक मक्का बेचने वाला आशंकित था कि चोपाती उसे झाड़ी में ले जाकर गोल्डन बीच पर उसके साथ रेप करने जा रहा है। उधर, लड़की की उम्र देखकर महिला को शक हुआ और उसने एक होमगार्ड को इसकी सूचना दी. होमगार्ड डुमास ने पीआई अंकित सोमैया को सूचित किया जो पास की एक चौकी पर ड्यूटी पर थे। ईश्वर बाबा को सूचना दी गई। ईश्वर बाबा तुरंत समुद्र तट पर पहुंचे और नरधाम को पूछताछ के लिए थाने ले गए। जिसमें लड़की और आरोपी दोनों के बयान विरोधाभासी थे. इसलिए पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारी को भी सूचना दी। तब लड़की के परिजनों को बुलाया गया, जिसमें पता चला कि आरोपी ने लड़की को खाने का लालच देकर वेसु से बाइक पर बिठा लिया। पुलिस ने लड़की को शि-टीम के साथ वेसु थाने भेज दिया जहां लड़की के परिवार ने शिकायत दर्ज कराई है. इसके आधार पर पुलिस ने दीपक सत्यनारायण चावला (35) (निवासी, दीपेश्वरी अपार्टमेंट, उधना, मूल रेस, बीकानेर, राजस्थान) के खिलाफ पोक्सो के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरूकर दी है.